सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivahan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 07, नई दिल्ली

गुरुवार, 23 मार्च 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

जिन्दगी का हर एक छोटा हिस्सा ही, हमारी जिंदगी की सफलता का बड़ा हिस्सा होता है !

इनसाइड

दिल्ली में बन रहे 29 फ्लाईओवर, आएंगी 1600 ई-बसें; दो साल में कचरे के पहाड़ का अंत

नई दिल्ली। खेल परिसरों का भी निर्माण किया जाएगा। दिल्ली सरकार ने साल 2023-24 के लिए शिक्षा के बजट के लिए 16575 करोड़ का प्रस्ताव रखा है। इस तरह दिल्ली सरकार ने इस बार कुल बजट का 21 प्रतिशत बजट शिक्षा के लिए प्रस्तावित किया है। देश में पहली बार स्कूल और उद्योग मिलकर काम करेंगे। इन स्कूलों के बच्चों को अपना कौशल दिखाने के लिए अवसर मिलेंगे। 12 नए एप्लाइड लर्निंग स्कूल शुरू किए जाएंगे, 9वीं से मिलेगा दाखिला। सभी टीचर, प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल व अन्य टीचिंग स्टाफ को नए टैबलेट उपलब्ध कराएंगे। आने वाले साल में 37 डॉ. आंबेडकर एक्सीलेंस स्कूल बनाएंगे। ये सभी दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल से एफिलिएटेड होंगे। इन स्कूलों के बच्चों को फ्रेंच, जर्मन जापानी भाषा भी पढ़ा रहे हैं। दिल्ली के सरकारी स्कूलों ने बोर्ड में 98 प्रतिशत रिजल्ट आया। बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम के तहत 56 छात्रों ने पहले बैच में अपनी उद्यमिता साबित करते हुए बीबीए और बीसीए जैसे कोर्स में सीधा दाखिला लिया। देशभक्ति पाठ्यक्रम भी छात्रों को देशभक्ति के लिए प्रेरित कर रहा है। 160 बच्चे दिल्ली के पहले आर्म्ड फोर्स स्कूल में पढ़ रहे हैं जो जल्द ही सेनाओं में भर्ती होंगे। दिल्ली सरकार का शिक्षा का मॉडल स्कूल की बिल्डिंग बनाने और अच्छे नंबर लाने से कहीं आगे निकल चुका है। हमने सबसे ज्यादा बजट शिक्षा को दिया। न्यू यॉर्क टाइम्स ने भी स्कूलों की सफलताओं को प्रकाशित करेगा कोई सोच भी नहीं सकता था। 2022-23 का पहला एकेडमिक सेशन कोविड के बाद रहा जो सामान्य रूप से चला।

मोहल्ला क्लीनिक के बाद अब दिल्ली में चलेंगी 'मोहल्ला बसें', पढ़ें बजट की 10 बड़ी बातें

दिल्ली सरकार का 2023-24 का बजट परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य पर केंद्रित है।

संजय बाटला

वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को 2023-24 के लिए कुल 78 हजार 800 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। यह अरविंद केजरीवाल सरकार का 9वां बजट है। मनीष सिसोदिया के इस्तीफे के बाद कैलाश गहलोत वित्त मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का बुधवार को विधानसभा में 2023-24 के लिए बजट पेश किया गया है। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने पहली बार विधानसभा में बजट पेश किया है। वह दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार का 9वां बजट पेश किया। मनीष सिसोदिया के इस्तीफे के बाद कैलाश गहलोत वित्त मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया। बता दें कि वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने बुधवार को 2023-24 के लिए कुल 78 हजार 800 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने कई बड़ी घोषणाएं की हैं। आईये जानते हैं दिल्ली सरकार के बजट की 10 बड़ी बातें-

केजरीवाल का शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता पर जोर

दिल्ली सरकार का 2023-24 का बजट परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य पर केंद्रित है। 'स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक दिल्ली' के इर्द-गिर्द दिल्ली का बजट रहा है। अरविंद केजरीवाल सरकार ने अपने बजट में मोहल्ला क्लीनिक के बाद मोहल्ला बस योजना की शुरूआत की है। अब दिल्ली में मोहल्ला बसें चलेंगी। इस योजना के तहत 9 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसें चलाई जाएगीं।
आईएसबीटी को बस पोर्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही द्वारका में भी एक आईएसबीटी बनाया जायेगा। एनबीसीसी के साथ मिलकर दो छह मंजिला बस डिपो बनाए जाएंगे। 9 नए बस डिपो बनेंगे। दिल्ली में बस सेवा को इस तरह बनाया जायेगा कि अमीर लोग भी कार छोड़कर बसों का उपयोग करें।

आईएसबीटी को बस पोर्ट के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही द्वारका में भी एक आईएसबीटी बनाया जायेगा। एनबीसीसी के साथ मिलकर दो छह मंजिला बस डिपो बनाए जाएंगे। 9 नए बस डिपो बनेंगे। दिल्ली में बस सेवा को इस तरह बनाया जायेगा कि अमीर लोग भी कार छोड़कर बसों का उपयोग करें।

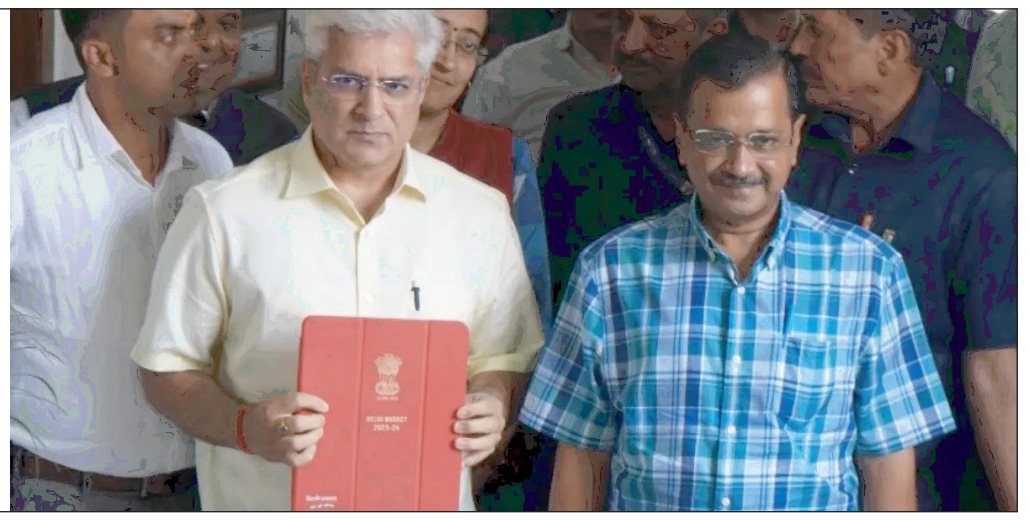

दिल्ली में लोगों को 24 घंटे पानी उपलब्ध कराने के लिए सरकार काम कर रही है। 2025 तक 1240 एमजीडी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। परिवहन क्षेत्र के लिए घोषणा करते हुए वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि जल्द ही 26 नए फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। 26 परियोजनाओं में से 10 निर्माण के चरण में हैं, जबकि 11 की योजनाओं को मंजूरी के लिए भेज दिया गया है। पीडब्ल्यूडी की 1400 किलोमीटर लंबी सड़कों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इन सड़कों को विश्व स्तरीय बनाने के लिए काम शुरू होने जा रहा है। इसके लिए दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार ने 10 साल में 20 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान का लक्ष्य रखा है। दिल्ली में फुटपाथ और सेंट्रल वर्ज को विकसित किया जायेगा, सड़कों पर धूल न हो, इसका प्रविधान किया जायेगा। सड़कों की सफाई महीनों से होगी, 70 मैकेनिकल मशीनें आएगी, पानी के छिड़काव के लिए 200 टैंकर आयेंगे। दिल्ली सरकार ने बजट में 16 हजार 575 करोड़ रुपये शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित किया गया। सरकार दिल्ली के 350 स्कूलों में चरणबद्ध तरीके से कम से कम 20 नए कम्प्यूटर उपलब्ध कराएगी। साथ ही सरकार सभी शिक्षकों, वाइस प्रिंसिपल, प्रिंसिपल और DDEs को नए टैबलेट प्रदान करेगी। अरविंद केजरीवाल सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 9 हजार 742 करोड़ रुपये दिए गए हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र को मजूबत करने की दिशा में सरकार काम करेगी। दिल्ली में हॉस्पिटल बेड 14 हजार से बढ़ाकर 30 हजार किए जाएंगे। वहीं 38 नई एंबुलेंस चलाई जाएगी।
दिल्ली को साफ-सुंदर और आधुनिक बनाने के लिए काम किया जायेगा। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने दावा किया कि दिसंबर 2023 तक ओखला लैंडफिल और दिसंबर 2024 तक गाजीपुर लैंडफिल हटा दी जाएगी।

पहली बार 100 KM की गति से दिल्ली मेट्रो ने भरी रफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने बुधवार को एयरपोर्ट लाइन पर मेट्रो की गति को बढ़ा दिया है। अब नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से आईजीआई एयरपोर्ट तक की दूरी काफी कम समय में तय की जा सकेगी। पहले एयरपोर्ट लाइन पर मेट्रो अधिकतम 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलती थी, जिसे मेट्रो रेल कारपोरेशन ने बढ़ाने का फैसला किया है।

100 किमी प्रति घंटे की दौड़ी मेट्रो

डीएमआरसी का कहना है कि देश में पहली बार किसी कारिडोर पर मेट्रो ने 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से रफ्तार भरी। आगे चलकर इस कारिडोर पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मेट्रो का परिचालन होगा। चरणबद्ध तरीके से मेट्रो की गति बढ़ाई जाएगी।

अब नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से द्वारका सेक्टर 21 स्टेशन यानी एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो 100 किमी की रफ्तार से चलेगी। इससे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से महज 17 से 18 मिनट में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचा जा सकेगा।

पहले 90 किमी प्रति घंटे की थी स्वीकृति

नई दिल्ली से द्वारका सेक्टर 21 के बीच 22.70 किलोमीटर लंबी इस एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर पहले अधिकतम 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मेट्रो चलाने की स्वीकृति थी और औसतन 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मेट्रो का परिचालन होता रहा है। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन हाई स्पीड मेट्रो कॉरिडोर के रूप में विकसित की गई है।

चरणबद्ध तरीके से की जाएगी 120 की स्पीड

इसलिए डीएमआरसी ने पिछले वर्ष इस कॉरिडोर पर मेट्रो की गति बढ़ाने की पहल की थी। इसके तहत ट्रैक के उपकरणों में बदलाव के लिए एक निजी एजेंसी नियुक्त की गई थी और चरणबद्ध तरीके से इस कॉरिडोर पर मेट्रो की गति बढ़ाकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे करने की योजना है। पहले चरण में इस कॉरिडोर पर मेट्रो की गति बढ़कर 100 किलोमीटर प्रति घंटे हो जाएगी। इसके कारण मेट्रो ट्रैक व कॉरिडोर पर होने वाले कंपन पर डीएमआरसी नजर रखेगा और धीरे-धीरे इस कॉरिडोर पर मेट्रो की गति बढ़ाकर 110 और फिर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की जाएगी। तब यात्री महज 15 मिनट में नई दिल्ली से टर्मिनल-3 पहुंच सकेंगे।

23 मार्च के बलिदानियों को शहीद का दर्जा मिले: पम्मा

एस.डी. सेठी, नई दिल्ली। देश की आजादी के लिए अपने प्रणों को न्योछावर करने वाले क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरू, सुखदेव को 23 मार्च बलिदान दिवस पर शहीद का दर्जा दिए जाने की नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह पम्मा ने केन्द्र सरकार से अपील की है। एंग्री मैन का खिताब पाए पम्मा का कहना है कि शहीद भगत सिंह युवाओं के लिए आदर्श हैं, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किये बगैर भारत देश की आजादी की खातिर हंसते-हंसते फांसी पर चढ गए। एंग्रीमैन सरदार पम्मा ने कहा कि आजादी के 75 सालों में कितनी सरकारें तो बदली पर व्यवस्था वहीं रहीं। सरदार परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि हमारा फर्ज बनता है कि जिन्होने देश के लिए अपनी कुर्बानी दी है, उनको सदैव याद रखें। उन्होंने देश की आजादी के 75वें अमृत महोत्सव को मनाने का अवसर इन्हीं बलिदानियों को जाता है। उनके जीवन बलिदान को सरकार हमेशा याद रखें। अब सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि 23 मार्च बलिदान दिवस के उपलक्ष में इन बलिदानियों को शहीद का दर्जा देने की घोषणा की जाये। वहीं स्कूलों में भी बच्चों को इनका इतिहास गर्व से पढाया जाए। इससे आने वाली नौजवान पीढी, नौनिहालों में देश भक्ति की भावना जागृत हो सके। एंग्री परमजीत सिंह पम्मा ने मोदी सरकार से मांग की है कि शहीद भगत सिंह को राष्ट्रीय पुत्र का दर्जा भी दिया जाए।

"सारे भारत के टूरिस्ट टैक्सी -बस वाले करोना महामारी से लगभग 2 सालो से पीड़ति रहें हैं"

दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने लिखा शिकायत पत्र

परिवहन विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय सम्राट ने एक पत्र श्री योगी आदित्यनाथ जी (मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश) को यमुना एक्सप्रेवे पर उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस द्वारा आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की टैक्सी -बसों और टेम्पो ट्रेवलर के नाजायज स्पीड के 4000 रुपए तक के चालान करने के खिलाफ शिकायत पत्र लिखा.
एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना हैं सारे भारत के टूरिस्ट टैक्सी -बस वाले करोना महामारी से लगभग 2 सालो से पीड़ति रहें हैं और लगभग 2 सालो के बाद देश में विदेशी पर्यटक अभी आ रहें हैं,
क्योंकि हमारे देश के देशी पर्यटक ज्यादातर उत्तर प्रदेश में मथुरा वृन्दावान और आगरा में ताज महल देखने जा रहें हैं. G 20 शिखर सम्मेलन चल रहा हैं अगर टूरिस्ट टैक्सी बसों और टेम्पो ट्रेवलर वाले विदेशी टूरिस्ट को 60 किलो मीटर प्रति घंटा से कम स्पीड में यमुना एक्सप्रेस वे पर गाड़ियाँ चलाएंगे तो कब ताज़ महल दिखाएंगे और कब दिल्ली वापिस आएंगे, अगर इतनी कम स्पीड में गाडी चलाएंगे तो पीछे से आने वाली गाड़ियाँ भी टूरिस्ट गाड़ियों को टक्कर मारकर दुर्घटना कर सकती हैं जिस से विदेश पर्यटको की जान का भी खतरा हैं.
लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे पर उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस द्वारा हमारी आल इंडिया टूरिस्ट परमिट टैक्सी -बसों और टेम्पो ट्रेवलर का 4000 रुपए तक स्पीड का भारी भरकम चालान भारी मात्रा में किया जा रहा हैं.
संजय सम्राट का कहना हैं की हमारी आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की गाड़ियों में 80 किलो मीटर प्रति घंटे का स्पीड गवर्नर लगा रहता हैं, जिसकी वजह से हमारी गाड़ियाँ 80 किलो मीटर प्रति घंटे से ज्यादा चल ही नहीं सकती, जिसकी वजह से दुर्घटना का भी खतरा बना रहता हैं, और हमारी गाड़ियों को स्पीड में पीछे से आ रहीं गाड़ियाँ ठोक देती हैं. दूसरा हमारी गाड़ियों में 80 किलो मीटर प्रति घंटे के स्पीड गर्वर्नर लगे होने की वजह से ड्राईवर चाहा कर भी अपनी गाडी को तेज नहीं चला सकता. यमुना एक्सप्रेसवे पर भी चोर -लुटेरों का भय भी बना रहता हैं, क्योंकि ये चोर -लूटेरे किसी भी टूरिस्ट टैक्सी -बस को ओवरटेक करके लूट सकते हैं, ऐसी कुछ घटनाये भी हुई हैं, सबसे बड़ी बात अगर किसी विदेशी महिला पर्यटक के साथ यमुना एक्सप्रेसवे पर बलत्कार हो जाए तो देश की भी बड़ी बदनामी होंगी. क्योंकि चोर -लूटेरे देशी विदेशी पर्यटको से छेड -छाड़ भी करते रहते हैं ऐसा काफी सुना गया हैं. यमुना एक्सप्रेसवे पर गाड़ियों की स्पीड 80- से 100 किलो मीटर प्रति घंटा हैं. लेकिन पिछले साल 2022 में 15 दिसंबर से 15 फ़रवरी 2023 तक गाड़ियों की स्पीड स्पीड हलके वाहन की स्पीड 80 किलो मीटर प्रति घंटा और भारी वाहन की स्पीड 60 किलो मीटर प्रति घंटा कर दी गईं.
लेकिन 15 फ़रवरी 2023 के बाद भी हमारी टैक्सी बसों और टेम्पो ट्रेवलर के 4000, रुपए तक के चालान यमुना एक्सप्रेसवे पर उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा कैमरे के द्वारा आटोमेटिक हमारे टैक्सी -बसों वालो पर आ रहें हैं. संजय सम्राट का कहना हैं की आगरा के ताज महल और मथुरा वृन्दावन से उत्तर प्रदेश राज्य को काफी राजस्व मिलता हैं, और करोडो रूपया रोड टैक्स और टोल टैक्स के रूप में लाखों टैक्सी बस वाले इस राज्य को देते हैं, अगर इसी तरह भारी चालान उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस द्वारा होते रहें या 60 किलो मीटर प्रति घंटे की स्पीड में उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस ने हमें बांधा तो कोई भी टैक्सी बस उत्तर प्रदेश राज्य में नहीं जाएगी और पर्यटक भी ट्रैन से जाना पसंद करेंगे, जिस से उत्तर प्रदेश के राजस्व में भारी कमी आएगी. वैसे भी धूँध और कोहरे में कोई भी गाड़ियों को तेज नहीं चलाता, लेकिन उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस दुर्घटना और सुरक्षा के नाम पर सारे भारत के टैक्सी -बसों वालों का भारी भरकम चालान कर अपनी तिजोरी भर रहीं हैं.
संजय सम्राट ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से विनती की हैं की हमारी टैक्सी -बसों के जो स्पीड के चालान यमुना एक्सप्रेसवे पर उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस द्वारा किये गये हैं उन्हें तुरंत केंसिल करा जाए, साथ ही सर्दियों में भी टूरिस्ट बसों और टूरिस्ट टेम्पो ट्रेवलर को भारी वाहनों की श्रेणी से हटाकर कर हलके वाहनों की श्रेणी में रखा जाए. क्योंकि देशी विदेशी पर्यटको में काफी महिलाये होती हैं और ये उनकी सुरक्षा का मामला हैं साथ ही भारत के गरीब टूरिस्ट टैक्सी -बस वालो को भविष्य में इन भारी भरकम चालान से मुक्ति दिलवाई जाए और हमारे सारे पिछले चालानो को माफ़ भी कराया जाए.

संजय सम्राट
अध्यक्ष
दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन
9810182147, 9717906644

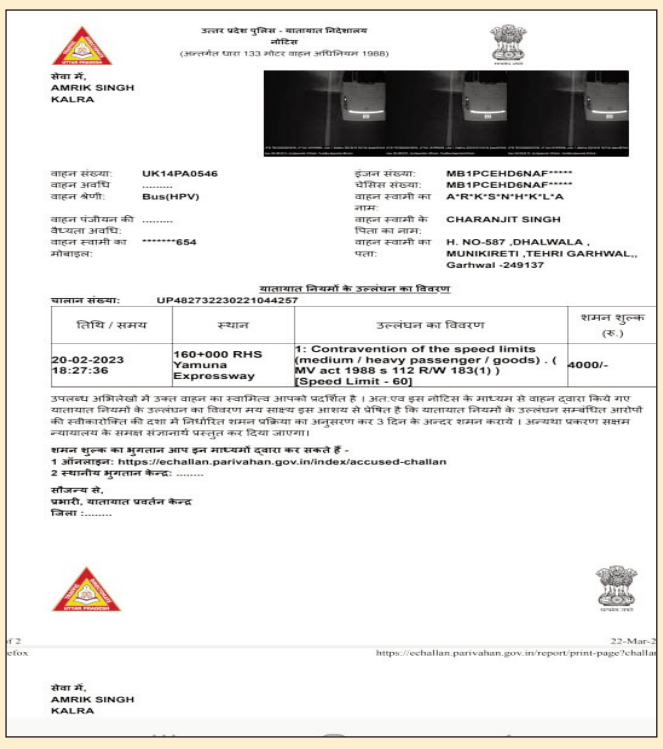

उत्तर प्रदेश पुलिस - यातायात निदेशालय
नोटिस
(अन्तर्गत धारा 133 मोटर वाहन अधिनियम 1988)

सेवा में,
AMRIK SINGH
KALRA

वाहन संख्या:	UK14PA0546	इंजन संख्या:	MB1PCEHD6NAF*****
वाहन अवधि	....	चेसिस संख्या:	MB1PCEHD6NAF*****
वाहन श्रेणी:	Bus(HPV)	वाहन स्वामी का नाम:	A*R*K*S*N*H*K*L*A
वाहन पंजीयन की वैध्यता अवधि:	....	वाहन स्वामी के पिता का नाम:	CHARANJIT SINGH
वाहन स्वामी का मोबाइल:	*******654	वाहन स्वामी का पता:	H. NO-587 ,DHALWALA , MUNIKIRETI ,TEHRI GARHWAL,, Garhwal -249137

यातायात नियमों के उल्लंघन का विवरण

चालान संख्या: UP482732230221044257

तिथि / समय	स्थान	उल्लंघन का विवरण	शमन शुल्क (रु.)
20-02-2023 18:27:36	160+000 RHS Yamuna Expressway	1: Contravention of the speed limits (medium / heavy passenger / goods) . (MV act 1988 s 112 R/W 183(1)) [Speed Limit - 60]	4000/-

उपलब्ध अभिलेखों में उक्त वाहन का स्वामित्व आपको प्रदर्शित है। अतःएव इस नोटिस के माध्यम से वाहन द्वारा किये गए यातायात नियमों के उल्लंघन का विवरण मय साक्ष्य इस आशय से प्रेषित है कि यातायात नियमों के उल्लंघन सम्बंधित आरोपों की स्वीकारोक्ति की दशा में निर्धारित शमन प्रक्रिया का अनुसरण कर 3 दिन के अन्दर शमन कराये। अन्यथा प्रकरण सक्षम न्यायालय के समक्ष संज्ञानार्थ प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

शमन शुल्क का भुगतान आप इन माध्यमों द्वारा कर सकते हैं -
1 ऑनलाइन: https://echallan.parivahan.gov.in/index/accused-challan
2 स्थानीय भुगतान केन्द्र: ....

सौजन्य से,
प्रभारी, यातायात प्रवर्तन केन्द्र
जिला :.........

22-Mar-2
https://echallan.parivahan.gov.in/report/print-page?challan

सेवा में,
AMRIK SINGH
KALRA

DELHI TAXI, TOURIST TRANSPORTERS & TOUR OPERATORS ASSOCIATION (Regd.)
Regd. Off. : F-16, Ist Floor, Saidulajaab, Near Saket Metro Station, New Delhi-110030
Ph. : 011-40518321 | M : 9717906644, 9958068373, 9810182147 | Fax : 011-40518321,
Email : delhitaxi2003@gmail.com

Ref. : .... Date : 22-03-2023

सेवा में,
श्री योगी आदित्यनाथ जी
मुख्यमंत्री ,उत्तर प्रदेश

विषय :- उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेवे पर उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस द्वारा आल इंडिया टूरिस्ट परमिट की टैक्सी -बसों और टेम्पो ट्रेवलर के नाजायज स्पीड के 4000 रुपए तक के चालान करने के खिलाफ शिकायत पत्र.

आदरणीय मुख्यमंत्री जी,
हमारे देश के देशी पर्यटक ज्यादातर उत्तर प्रदेश में मथुरा वृन्दावान और आगरा में ताज महल देखने जाते हैं. लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे पर उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस द्वारा हमारी आल इंडिया टूरिस्ट परमिट टैक्सी -बसों और टेम्पो ट्रेवलर का 4000 रुपए तक स्पीड का चालान भारी मात्रा में किया जा रहा हैं.
आदरणीय मुख्यमंत्री जी, यमुना एक्सप्रेसवे पर गाड़ियों की स्पीड 80- से 100 किलो मीटर प्रति घंटा हैं. लेकिन पिछले साल 2022 में 15 दिसंबर से 15 फ़रवरी 2023 तक गाड़ियों की स्पीड स्पीड हलके वाहन की स्पीड 80 किलो मीटर प्रति घंटा और भारी वाहन की स्पीड 60 किलो मीटर प्रति घंटा कर दी गई. लेकिन 15 फ़रवरी के बाद भी हमारी टैक्सी बसों और टेम्पो ट्रेवलर के 4000, रुपए तक के चालान यमुना एक्सप्रेसवे पर उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा कैमरे के द्वारा आटोमेटिक हमारे टैक्सी -बसों वालो पर आ रहें हैं.
आदरणीय मुख्यमंत्री जी, आप से विनती हैं की हमारी टैक्सी -बसों के जो स्पीड के चालान यमुना एक्सप्रेसवे पर उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस द्वारा किये गये हैं उन्हें तुरंत केंसिल करा जाए, साथ ही सर्दियों में भी टूरिस्ट बसों और टूरिस्ट टेम्पो ट्रेवलर को भारी वाहनों की श्रेणी से हटाकर कर हलके वाहनों की श्रेणी में रखा जाए क्योंकि ये देशी विदेशी महिला पर्यटको की सुरक्षा का भी मामला हैं.
आगरा के ताज महल और मथुरा वृन्दावन से आप के राज्य को काफी राजस्व मिलता हैं, और करोडो रूपया रोड टैक्स और टोल टैक्स के रूप में लाखों टैक्सी बस वाले आप के राज्यों को देते हैं, अगर इसी तरह भारी भरकम चालान उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस द्वारा होते रहें या 60 किलो मीटर प्रति घंटे की स्पीड में आप के राज्य की ट्रैफिक पुलिस ने हमें बांधा तो कोई भी टैक्सी बस वाला आप के राज्य में नहीं आएगा और पर्यटक भी ट्रैन से जाना पसंद करेंगे, जिस से आप के राजस्व में भारी कमी आएगी. वैसे भी धूँध और कोहरे में कोई भी गाड़ियों को तेज नहीं चलाता, लेकिन उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस दुर्घटना और सुरक्षा के नाम पर सारे भारत के टैक्सी -बसों वालों का भारी भरकम चालान कर रहीं हैं और हमें आर्थिक रूप से नुकसान पहुँचा रहीं हैं
आपसे आशा करता हूँ की आप हमारी शिकायत पर गौर करेंगे और भारत के गरीब टूरिस्ट टैक्सी -बस वालो को भविष्य में इन भारी भरकम चालान से मुक्ति दिलाएंगे और हमारे सारे पिछले चालानो को माफ़ भी कराएँगे.
संजय समाट(अध्यक्ष)
दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन-9810182147—011-40518321

President
Sanjay Samrat

General Secretary
Hari Singh

Treasure
Mohan Singh

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

21 साल के बाद हर महिला जरूर कराएं ये टेस्ट, कैंसर से बचने की होगी गारंटी,अन्य बीमारियों का पता भी

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है.

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2020 में एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर के कारण हुई है. हर 6 में से एक मौत कैंसर से होती है. इनमें से सबसे ज्यादा संख्या ब्रेस्ट कैंसर से होने वाली मौतों की है. इसके बाद महिलाओं में सबसे ज्यादा मौत सर्वाइकल कैंसर या गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से होती है.

डब्ल्यूएचओ के ही आंकड़ों के मुताबिक सर्विकल कैंसर से हर साल 5.30 लाख महिलाओं की मौत होती है. सर्वाइकल कैंसर की सबसे बड़ी वजह एचपीवी वायरस है. चिंता की बात यह है कि यह वायरस कई वर्षों तक महिलाओं के प्रजनन अंगों में निष्क्रिय रहकर फिर से सक्रिय हो सकता है. यही कारण है कि डॉक्टर 21 साल की उम्र से अधिक की सभी महिलाओं को नियमित रूप से पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते है. पैप स्मीयर टेस्ट या पैट टेस्ट महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए किया जाता है. इस टेस्ट के लिए महिलाओं की सर्विक्स से कोशिकाओं से सैंपल निकाला जाता है और इसका विश्लेषण किया जाता है. इससे महिलाओं के प्रजनन अंगों में अन्य चीजों के बारे में पता लगाया जा सकता है.

क्यों करानी जरूरी है सर्वाइकल कैंसर की जांच

मायो क्लिनिक के मुताबिक महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर बहुत ही गंभीर बीमारी है जिसमें अधिकांश मरीजों की मौत हो जाती है. सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के प्रजनन अंगों यानी गर्भाशय के मुंह पर होता है. सर्वाइकल कैंसर की मुख्य वजह ह्यूमन पेपिलोमावायरस (human papillomavirus) है. यह वायरस फिजिकल रिलेशन बनाने वाली हर महिला में होता है. आमतौर पर इम्यून सिस्टम इस वायरस को खत्म कर देता है या रहता भी है तो कोई नुकसान नहीं पहुंचाता. लेकिन किसी-किसी महिलाओं में यह वायरस गर्भाशय ग्रीवा के पास लंबे समय तक निष्क्रिय हो जाता है और वर्षों बाद कभी भी सक्रिय हो जाता है. पैप स्मीयर टेस्ट से यह पता लगाया जाता है कि यह वायरस भविष्य में कैंसर तो नहीं दे सकता. अगर वायरस में कैंसर फैलाने की क्षमता होती है तो इसे हटाकर महिलाओं को मौत के मुंह से बचाया जा सकता है.

किसे कराना चाहिए यह टेस्ट

आमतौर पर डॉक्टर 21 से 65 साल के बीच हर महिलाओं को पैप स्मीयर टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. हालांकि यह डॉक्टर बताते हैं कि पैप स्मीयर टेस्ट कराने का समय क्या है. आमतौर पर प्रति तीन साल में एक बार यह टेस्ट कराने के लिए कहा जाता है. 30 साल से उपर की महिलाओं को एचपीवी टेस्ट के साथ प्रति पांच साल में एक बार यह टेस्ट जरूर कराना चाहिए. लेकिन अगर महिलाओं में गर्भाशय से संबंधित जटिलताएं हैं तो डॉक्टर जल्दी-जल्दी भी यह टेस्ट कराने की सलाह देते हैं. अगर इम्यून सिस्टम कमजोर है, एचआईवी है, स्मोकिंग करती हैं, स्टेरॉयड का इस्तेमाल करती हैं तो ऐसी महिलाओं को जल्दी-जल्दी जांच की जरूरत पड़ती है.

जांच में क्या होता है

पैप स्मीयर टेस्ट में महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं को निकाला जाता है और उसकी जांच की जाती है. इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर संभावित प्रीकैंसर कोशिकाओं को काटकर हटा भी देती हैं. इस टेस्ट से गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में किसी असामान्य बदलावों का पता लगाना होता है ताकि यह पता लगाया जा सके भविष्य में सर्विक्स में कैंसर होने का खतरा तो नहीं है. चूंकि सर्वाइकल कैंसर के लक्षण सालों तक बाहर नहीं दिखते।

शुरू करना है खुद का बिजनेस, इन 8 ज़रूरी बातों को रखें याद

यदि आप अपना खुद का कोई बिजनेस शुरू करना चाहती हैं तो सबसे पहले अपने टार्गेट ऑडियंस को ध्यान में रखना होगा. साथ ही शुरुआत में पैसों के इन्वेस्टमेंट, मार्केटिंग आदि पर भी ध्यान देना होगा, तभी आप एक सक्सेफुल बिजनेस वूमने बन सकेंगी.

आज महिलाएं अपना नाम हर फील्ड में बना रही हैं. कुछ ऑफिस में काम करती हैं, तो कुछ अपना बिजनेस कर रही हैं और उसमें सफलता हासिल कर रही हैं. अक्सर कुछ महिलाएं शादी इसलिए भी देर से करती हैं कि वे एक कामयाब वर्किंग वूमन बन जाएं. कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो शादी के बाद घर चलाने के साथ ही कुछ काम भी करना चाहती हैं. खुद का बिजनेस करना चाहती हैं. यदि आपकी भी शादी हो गई है और आपका कुछ सपना था बनने का, किसी तरह का बिजनेस करने का तो अब भी देर नहीं हुआ है. आप अपना खुद का बिजनेस शुरू कर सकती हैं. यदि आप ऑफिस जाकर 9 घंटे की शिफ्ट नहीं करना चाहती हैं तो आप घर से कोई काम कर सकती हैं. हालांकि, कोई भी बिजनेस शुरू करने से पहले आपको कुछ जरूरी बातों का ध्यान भी रखना होगा, ताकि आप अपने बिजनेस को बढ़ाने में सफल हो सकें.

कौन-कौस सा बिजनेस कर सकती हैं

आप यदि अपना बिजनेस करना चाहती हैं तो आप वही काम करें जिसमें आपने पढ़ाई की या कोई डिग्री ली हो. कई बार शादी हो जाने के बाद महिलाएं आगे पढ़ाई या करियर नहीं बना पाती हैं. ऐसे में महिलाओं के लिए अपना फैशन बुटीक खोलना, सिलाई-कढ़ाई का काम करना, इंटीरियर डिजाइनिंग, टिफिन सर्विस, होम ट्यूशन, एफिलिएट मार्केटिंग, डांस क्लास, रेडीमेड गार्मेंट बेचना, खुद का ब्यूटी पार्लर खोलना, केक मेकिंग बिजनेस, पैकिंग बिजनेस, अचार या पापड़ बनाने का काम आदि कई ऐसे काम हैं, जो आप घर बैठे कर सकती हैं और बेहतर कमाई कर सकती हैं.

बिजनेस की शुरुआत करने से पहले रखें इन 8 बातों का ध्यान

-बिजनेस चाहे छोटा हो या बड़ा, इसमें सफलता पाना आसान नहीं. यह एक दिन का काम नहीं कि आज बिजनेस की शुरुआत की और कल से ही कमाई होने लगे. इसके लिए आपको धैर्य, लगन, मेहनत, हिम्मत और समझदारी से काम लेना होगा. यदि आप अपनी मन-पसंद का कोई भी बिजनेस करना चाहती हैं तो पहले किसी सफल बिजनेस वूमेन के बारे में पढ़ें, जानें कि उन्होंने किस प्लानिंग के तहत इसकी शुरुआत की थी.

-यदि आपकी कोई दोस्त या घर-परिवार में किसी ने भी अपना बिजनेस शुरू किया है तो उससे पहले बात करें. यह जानने की कोशिश करें कि आज की डेट में किस काम में हाथ लगाना आपके लिए मुनाफे का सौदा साबित हो सकता है. कई बार अपना बिजनेश शुरू तो लोग कर देते हैं, लेकिन उसे लंबे समय तक बरकरार रख पाना काफी चुनौती भरा काम होता है.

-किसी भी बिजनेस को शुरू करने से पहले रिसर्च करना जरूरी है. यदि आप बिना रिसर्च किए कुछ भी काम शुरू करती हैं तो सफल होने की संभावना कम हो जाती है. जल्दबाजी में कोई काम ना करें शुरू. रिसर्च करने से जान पाएंगी कि आप अपने प्रोडक्ट, काम को मार्केट में कितने समय के लिए एक्टिव रख सकेंगी.

-किसी भी बिजनेस को शुरू करने के लिए लोकेशन या स्थान भी मायने रखता है. यदि आप लोगों की पहुंच से दूर अपना ऑफिस सेटअप करती हैं या बिजनेस की शुरुआत करती हैं तो आप अपने टार्गेट कस्टमर की संख्या को बढ़ाने में नाकामयाब हो सकती हैं. बिजनेस के लिए ऐसा लोकेशन चुनें, जहां ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ती रहे.

-किसी भी काम को शुरू करने से पहले पूंजी बेहद मायने रखती है. व्यवसाय को शुरू करने के लिए आप कहां से कैपिटल को मैनेज करेंगी, इस पर सबसे पहले बात-विचार करें. यदि आप लोन लेंगी तो इसके लिए भी किसी एक्सपर्ट से राय जरूर ले लें. आप कब, किस तरह से लोन के पैसे चुकाएंगी इसकी प्लानिंग बेहद जरूरी है.

-यदि आप खुद की सेविंग्स से बिजनेस की शुरुआत करने वाली हैं तो पहले बिजनेस के नेचर को समझें. शुरुआत में बहुत ज्यादा पैसा लगा देना समझदारी नहीं होगी. इससे आपका व्यवसाय सफल हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं. ऐसे में सोच-समझकर ही चीजों पर इनवेस्ट करें. स्टेप बाई स्टेप पैसे खर्च करें. एक्सपर्ट की राय लेना भी जरूरी है.

-आप हाउस वाइफ हैं और अपना काम शुरू कर रही हैं तो इसके लिए आपको बिजनेस में अपना समय भी देना होगा. खासकर, शुरुआत के एक साल आपके लिए चुनौतियों भरा हो सकता है. इसके लिए बिना धैर्य खोए अपनी सारी ऊर्जा लगाते हुए टाइम मैनेज करना भी आना होगा, ताकि आप घर और अपने काम को सही तरीके से संभाल सकें.

-व्यवसाय को सफल बनाने के लिए आपकी मार्केटिंग भी जबरदस्त होनी चाहिए. इसके लिए कुछ पैसा मार्केटिंग पर भी आपको खर्च करना पड़ सकता है. आप जितना शुरुआत में अपने बिजनेस की मार्केटिंग करेंगी, लोगों तक यह उतना ही पहुंचेगा. किसी भी काम को प्रमोट या मार्केटिंग किए बिना उसे आज के दौर में सफल बनाना थोड़ा मुश्किल काम हो सकता है. आप जो काम शुरू करने जा रही हैं, वो काम पहले से ही यदि दस लोग कर रहे हैं तो आपको खुद को सफल बनाने के लिए जबरदस्त मार्केटिंग, प्रमोशन, टेक्निकल

महिलाएं इन तरीकों से बढ़ाएं अपना सेल्फ कॉन्फिडेंस, नेगेटिविटी को ऐसे करें दूर

कहावत है कि अगर आपको खुद पर भरोसा है तो समझिए आपने आधा युद्ध पहले ही जीत लिया है. जी हां, इस बात में कोई शक नहीं है कि अगर आप अपने अंदर की ताकत को पहचानती हैं और हर हालात में खुद पर भरोसा रखती हैं तो आपकी ये ताकत हर काम को आसान बना देने का सबसे बड़ा हथियार साबित हो सकता है. ये आत्मविश्वास ही है कि आप हर वक्त सीखने के लिए तैयार रहती हैं और गलतियों से डरने की बजाय, सीख लेना पसंद करती हैं. ऐसे में अगर आप महसूस कर रही हैं कि आपके अंदर का आत्मविश्वास कहीं गायब हो गया है और आप खुद के प्रति सकारात्मक महसूस नहीं कर पाती हैं तो हम आपकी मदद कर सकते हैं.

महिलाएं इस तरह बढ़ाएं अपना आत्मविश्वास

गलतियों से सीख लें- इंसान होने के नाते गलतियां करना आपका अधिकार है. हर इंसान गलतियों से ही सीखता है. ऐसे में अगर आप गलतियों से डरती हैं तो इस डर को अपने बाहर निकाल फेंकिए. क्योंकि आप इंसान हैं, भगवान नहीं.

नकारात्मक विचारों को रोकें- अगर आप किसी बात को लेकर परेशान हैं या कुछ नकारात्मक बातें आपको परेशान कर रही हैं तो खुद को ऐसा करने से तुरंत रोकें. यह सोचें कि आपकी सोच ही आपको और आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती या कम करती है. खुद को सकारात्मक सोच के लिए हमेशा मोटिवेट करें.

ना कहने से डर कैसा- कई महिलाओं को ना करने में दिक्कत होती है. ऐसे में वे ऐसे काम भी करने लगती हैं जिसे वे बिलकुल करना पसंद नहीं करतीं. आपको बता दें कि ना कहने का मतलब किसी का अपमान करना नहीं होता, और ना ही इंप्रेशन बनाने के लिए ना कहना जरूरी होता है.

कभी कभी 'स्टॉप' कहना जरूरी- अगर कोई आपके सामने लगातार आपको यह बोल रहा है कि आप कितनी बुरी दिखती हैं, या आपको परफॉर्मेंस बहुत ही खराब है या तुम कुछ नहीं कर सकती आदि, तो उन्हें स्टॉप करना सीखें. अगर बोलने में असुविधा है तो आप ऐसी बातों पर हंस दें और ऐसी बातों को सकारात्मक रूप में लेते हुए खुद को बेहतर बनाने का बहाना बनाएं.

खुद को स्वीकारें- आप जैसी हैं अच्छी हैं. इस बात को खुद से बोलें. आप मोटी हैं, पतली हैं या दिखने में बेहद खूबसूरत नहीं हैं. ये बातें आपकी पूर्णता को नहीं बताते. आप जो हैं वो अपने काम से हैं, अपने बातचीत के तरीके से हैं, अपने व्यवहार और अपने आत्मविश्वास से हैं. खुद को खुद की तरह स्वीकारें और सकारात्मक रहें.

6 इलेक्ट्रोलाइट फूड जो महिलाओं को अपनी डाइट में ज़रूर करना चाहिए शामिल

शरीर में पानी की कमी होने पर इलेक्ट्रोलाइट का असंतुलन हो जाता है, जिसकी वजह से शरीर को कई तरह ही बीमारियों का सामना करना पड़ता है. इलेक्ट्रोलाइट नामक पोषक तत्व की कमी ज्यादातर बच्चों और औरतों में देखने को मिलती है. बच्चों में उल्टी, दस्त या डायरिया की वजह से ये परेशानी होती है, जबकि औरतें अपनी दिनचर्या में आलस के चलते कम पानी पीने की वजह से इसकी कमी की शिकार हो जाती हैं. ऐसे में महिलाओं को खासकर अपनी डाइट का विशेष ध्यान रखना चाहिए. आइए पहले जानते हैं कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी क्यों होती है?

क्या है कारण

स्विडिश डॉटओआरजी के मुताबिक, इलेक्ट्रोलाइट की कमी के कई कारण हैं, जिसमें उल्टी-दस्त होना, भरपूर मात्रा में पानी या तरल पदार्थ का सेवन न करना आदि शामिल हैं.

इलेक्ट्रोलाइट की कमी से क्या होता है?

अगर शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो जाए तो थकान, सुस्ती के साथ-साथ, उल्टी, दस्त की परेशानी होती है. इससे शरीर में पानी की और ज्यादा कमी होने लगती है. इलेक्ट्रोलाइट की कमी के चलते दिल की धड़कन भी सुस्त पड़ने लगती है, जो बड़ी बीमारी की वजह बन सकती है. इसके अलावा, सारे दिन थकान, सुस्ती और आलस शरीर में रहता है. डाइट में कुछ खास फूड शामिल करके महिलाएं अपने शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को परफेक्ट कर सकती हैं.

नारियल पानी

हेल्दीफाईमी डॉट कॉम के अनुसार, नारियल इलेक्ट्रोलाइट बढ़ाने का सबसे अच्छा सोर्स माना जाता है. ये एक प्राकृतिक एनर्जी ड्रिंक की तरह काम करता है और नारियल पानी में पोटैशियम, मैंगनीज, विटामिन सी, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं, इसलिए नारियल पानी का नियमित सेवन करना चाहिए.

संतरा

सर्दियों में महिलाओं को संतरे का सेवन करना चाहिए, जिससे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी पूरी की जा सके. संतरे में मौजूद विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन बी, एमिनो एसिड, कैल्शियम, आयोडीन, सोडियम, मिनरल्स और फाइबर जैसे पोषक तत्व ना केवल बॉडी में इलेक्ट्रोलाइट का संतुलन अच्छा करेंगे बल्कि इम्यूनिटी पावर भी बढ़ाएंगे.

छाछ

छाछ यानी मट्ठा में भी इलेक्ट्रोलाइट को बढ़ाने की क्षमता होती है. इसमें थोड़ा सा काला नमक और काली मिर्च को मिलाकर पीने से इम्यूनिटी भी बूस्ट होगी और शरीर में पानी की कमी पूरी हो जाएगी.

केला

केले में भरपूर इलेक्ट्रोलाइट युक्त मिनिरल्स पाए जाते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करके इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन दूर करते हैं. इसमें भरपूर फाइबर होता है. केले में पोटैशियम, मैंगनीज, विटामिन बी 6, फाइबर, विटामिन सी, विटामिन ए, प्रोटीन और आयरन भरपूर मात्रा में होता है, जिससे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी को दूर किया जा सकता है और शरीर को जरूरी पावर भी मिलती है. सर्दियों में हरी सब्जियों खासकर पालक का खूब सेवन करना चाहिए. पालक में इलेक्ट्रोलाइट्स की भरपूर मात्रा होती है और इसके सेवन से शरीर को सभी तरह के जरूरी मिनिरल्स, विटामिन, फाइबर और कैल्शियम मिलते हैं. इसके सेवन से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन होता है और प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है. इनके अलावा, अनार, स्ट्रॉबेरी, आलूबुखारा जैसे फल खाने से भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स बढ़ता है. सब्जियों की बात करें तो आलू खाने से भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा बढ़ती है और शरीर को ऊर्जा के साथ-साथ स्फूर्ति मिलती है.

दिल्ली में लगातार दूसरे दिन कांपी धरती, 2.7 तीव्रता का आया भूकंप

राजधानी दिल्ली में बुधवार की शाम करीब पांच बजे एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए हैं। दिल्ली में लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटके लगे हैं। बता दें कि मंगलवार रात 10.17 मिनट पर भी केज झटके महसूस किए गए थे।

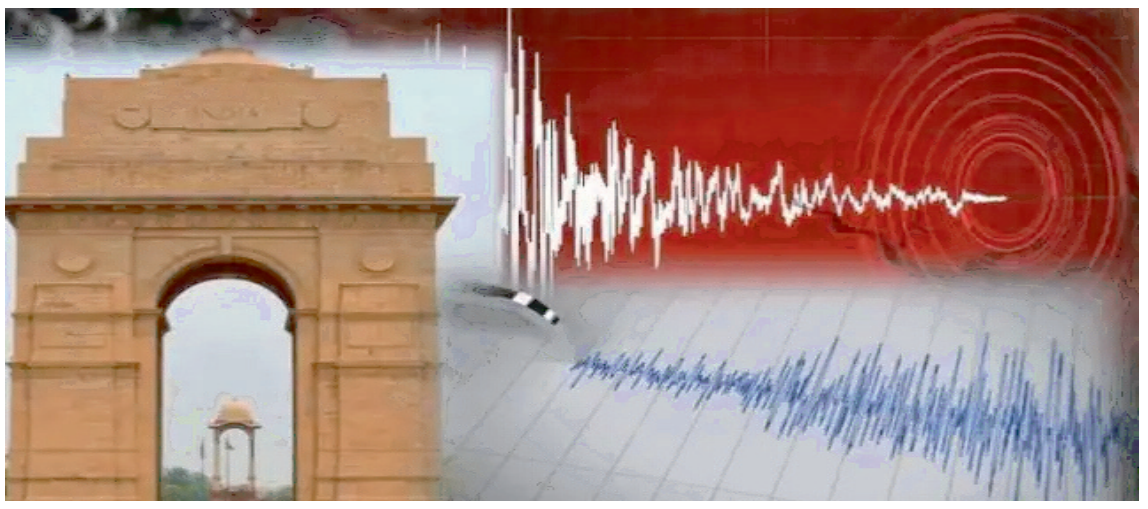

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बुधवार शाम चार बजकर 42 मिनट पर एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। बता दें कि दिल्ली में लगातार दूसरे दिन भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.7 मापी गई है। हालांकि आज भूकंप से हल्के झटके लगे।

बता दें कि मंगलवार रात 10.17 मिनट पर भी तेज झटके महसूस किए गए थे। मंगलवार को आए भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में हिंदू कुश क्षेत्र था।

मंगलवार को आया था 6.6 तीव्रता का भूकंप

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि अफगानिस्तान में भूकंप की तीव्रता 6.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र फैजाबाद से 133 किमी दूर दक्षिण पूर्व में हिंदू कुश क्षेत्र में था। भूकंप का केंद्र 156 किमी गहराई में था। भूकंप के झटके भारत के अलावा तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान, चीन, अफगानिस्तान और किर्गिस्तान में भी महसूस किए गए। वित्त मंत्री ने एजुकेशन के लिए दिए 16,575 करोड़, जानिए दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को क्या मिलेगा?

भारत में दिल्ली-एनसीआर के अलावा हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड में भी भूकंप के तेज झटके लगे थे। अहसास होते ही लोग घरों से बाहर निकल आए। भूकंप के अन्य झटकों की आशंका के चलते काफी लोग देर रात तक घरों के बाहर खुले में ही डटे रहे।

अफगानिस्तान में दो और पाकिस्तान में 9 लोगों की मौत

भूकंप के कारण अफगानिस्तान में दो लोगों की मौत हुई है। अफगानिस्तान के आपदा राहत मंत्रालय के प्रवक्ता शफीउल्लाह रहीमी ने कहा कि पूर्वी लघमान प्रांत में दो लोग मारे गए हैं। अधिकारियों और सहायताकर्मियों ने कहा कि बदख्शां और अन्य उत्तरी क्षेत्रों में बहुत तेज झटके महसूस किए गए।

समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि पाकिस्तान में भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गई। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पाकिस्तान में भूकंप के कारण 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 160 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। लाहौर, इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर, कोहाट और अन्य इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

रिक्टर स्केल क्या होता है?

अमेरिकी भू-विज्ञानी चार्ल्स एफ रिक्टर ने सन 1935 में एक ऐसे उपकरण का इजाद किया, जो पृथ्वी की सतह पर उठने वाली भूकंपीय तरंगों के वेग को माप सकता था। इस उपकरण के जरिए भूकंपीय तरंगों को आंकड़ों में परिवर्तित किया जा सकता है। रिक्टर स्केल आमतौर पर लॉगरिथम के अनुसार कार्य करता है। इसके अनुसार एक संपूर्ण अंक अपने मूल अर्थ के 10 गुना अर्थ में व्यक्त होता है। रिक्टर स्केल में 10 अधिकतम वेग को दर्शाता है।

क्यों आता है भूकंप?

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है, इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत, वर्गों में बंटी हुई है, जिन्हें टैकटोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह से हिलती रहती हैं लेकिन जब ये बहुत ज्यादा हिल जाती हैं, तो भूकंप आ जाता है। ये प्लेट्स क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर, दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। इसके बाद वे अपनी जगह तलाशती हैं और ऐसे में एक प्लेट दूसरी के नीचे आ जाती है।

नहीं कम हो रही सिसोदिया की मुश्किलें, ईडी के केस में 5 अप्रैल तक जेल में ही रहेंगे

नई दिल्ली। कथित शराब घोटाला मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जो केस दर्ज किया है उसकी सुनवाई करते हुए अदालत ने उन्हें 5 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गौरतलब है कि ईडी ने शराब घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की धाराओं में मामला दर्ज किया है। आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को जांच में सहयोग के नाम पर जमानत की मांग की थी। उन्होंने दलील दी कि उनका बेटा विदेश में पढ़ रहा है और पत्नी घर में अकेली और बीमार है। ऐसे में उसकी देखभाल के लिए उन्हें जमानत प्रदान की जाए। इधर, सीबीआई ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि सिसोदिया के पास 18 विभाग थे, उनकी सारी जानकारियां उनके पास हैं। ऐसे में उनको जमानत देना जांच प्रक्रिया को प्रभावित करेगा। राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने दोनों पक्षों को लिखित दलीलें पेश करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 24 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी है।

सिसोदिया ने अदालत से कहा कि उन्होंने जांच में पूरा सहयोग किया है और उनके पास से कोई आपत्तिजनक दस्तावेज नहीं मिले हैं। इस मामले के सभी आरोपी जमानत पर हैं। उन्हें भी जमानत पर रिहा कर दिया जाए। सिसोदिया ने धन शोधन के मामले में भी अपनी जमानत याचिका दाखिल कर दी है। अभी वे 22 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं।

बुधवार को उन्हें अदालत में पेश किया जाना है। न्यायाधीश ने उस जमानत याचिका पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है और सुनवाई 25 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी है। सिसोदिया की और से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन ने कहा कि इस मामले में अब कुछ नहीं है और उनके मुवक्किल के पास से कोई आपत्तिजनक दस्तावेज नहीं मिले हैं। साथ ही उनकी पत्नी बीमार है और बेटा भी विदेश में पढ़ रहा है।

इनसाइड

खास विक्रेता से किताबें-वर्दी खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे निजी स्कूल, अवहेलना पर होगी कार्रवाई

नईदिल्ली। निदेशालय ने स्पष्ट कहा है कि कोई भी निजी स्कूल कम से कम तीन साल तक स्कूल की वर्दी के रंग, डिजाइन व अन्य कोई बदलाव नहीं कर सकते हैं। वर्दी में बदलाव होने पर अभिभावकों को हर साल वर्दी खरीदनी पड़ जाती है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ता है। निजी स्कूल अपने विद्यार्थियों को किताबें एवं स्कूल की वर्दी (ड्रेस) किसी खास विक्रेता से खरीदने पर बाध्य नहीं कर सकेंगे। स्कूलों को अपनी वेबसाइट पर किताबें व वर्दी खरीदने के लिए कम से कम पांच दुकानों की सूची जारी करनी होगी। वहीं स्कूल तीन साल तक वर्दी में किसी तरह का बदलाव नहीं कर सकेंगे। शिक्षा निदेशालय ने यह आदेश जारी कर दिया है। स्पष्ट कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली के स्कूलों में नया सत्र (2023-24) एक अप्रैल से शुरू होने वाला है। स्कूल खुलने पर किताबों व वर्दी की जरूरत होगी। हर साल निजी स्कूल संचालक अपने विद्यार्थियों पर किसी खास विक्रेता से वर्दी एवं किताब कॉपियां खरीदने का दबाव बनाते हैं। दरअसल निजी मान्यता प्राप्त स्कूल किताबों-पाठ्य सामग्री व वर्दी के नाम पर अभिभावकों से मोटा पैसा लेते हैं। उन्हें निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जो कि एनसीईआरटी की किताबों के मुकाबले में काफी महंगी होती हैं। इसे देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने किसी खास विक्रेता से किताबें व वर्दी खरीदने के लिए बाध्य नहीं करने की व्यवस्था बीते साल से शुरू की थी। निदेशालय के नोटिस में आया है कि कुछ स्कूल इस व्यवस्था को लागू करने के लिए दिए गए आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसके बाद निदेशालय ने आगामी नए सत्र से पहले एक बार फिर स्कूलों को आदेश जारी किए हैं।

लूटपाट में किक वॉलीबाल के राष्ट्रीय खिलाड़ी समेत आठ पकड़े

नई दिल्ली। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि एक दोस्त का जन्मदिन था। इन लोगों के पास पार्टी के पैसे नहीं थे। इसलिए इन लोगों ने लूटपाट करने की योजना बनाई। लूटे गए सामान की रकम से पार्टी करने का प्लान था।

दोस्त की बथर्ड पार्टी मनाने के लिए नौ लड़कों के ग्रुप ने उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर इलाके में एक साथ कई लोगों से लूटपाट की। पुलिस ने इन वारदातों की गुत्थी सुलझाते हुए किक वॉलीबाल के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी समेत आठ को दबोचा है। इनमें तीन नाबालिग लड़के भी शामिल हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान किक वॉलीबॉल खिलाड़ी आयुष, इसके दोस्त सौरभ, मनीष पाल, शिव प्रकाश और रोशन के रूप में हुई है। सभी लड़के वजीरपुर इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल तीन बाइकों के अलावा तीन मोबाइल फोन व अन्य सामान भी बरामद किया है। पुलिस को मामले में एक अन्य आरोपी आर्यन की तलाश है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त सागर सिंह कलसी ने बताया कि 11 मार्च की रात को तिमारपुर इलाके में कई लोगों के मोबाइल लूटे जाने की सूचना मिली थी। एक शिकायतकर्ता जिथिन चंद्रन ने बताया कि वह डीयू में ग्रेजुएशन का छात्र है। देर रात करीब 2.45 बजे वह अपनी दो महिला दोस्तों के साथ लखनऊ रोड पर यूलू ई-साइकिल पर घूम रहा था। इस बीच तीन बाइकों पर सवार होकर नौ लड़के वहां आए। इन लोगों ने उनके साथ बदसलूकी कर मोबाइल लूट लिया। इस बीच प्रदीप और राम अवतार भी शोर मचाते हुए वहां आए। इन लोगों ने बताया कि बाइक सवारों ने उनके भी मोबाइल लूट लिए हैं। भीड़ इकट्ठी होती देखकर आरोपी वहां से फरार हो गए।

वित्त मंत्री ने एजुकेशन के लिए दिए 16,575 करोड़, जानिए कहां खर्च होंगे इतने रुपये

दिल्ली सरकार ने बुधवार को विधानसभा में अपना बजट पेश किया। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने बजट पेश करते हुए कई बड़े एलान किए। राष्ट्रीय राजधानी ने शिक्षा के लिए पिछले साल के मुकाबले इस बार बजट में बढ़ोत्तरी की है।

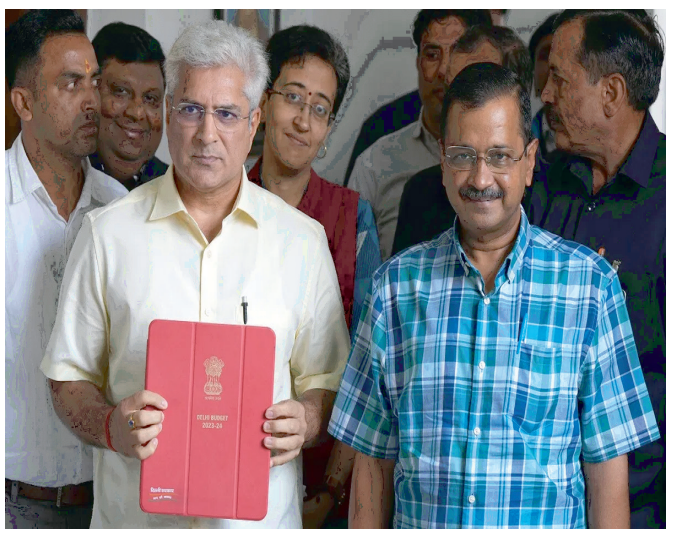

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बुधवार को विधानसभा में अपना बजट पेश किया। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने बजट पेश करते हुए कई बड़े एलान किए। राष्ट्रीय राजधानी ने शिक्षा के लिए पिछले साल के मुकाबले इस बार बजट में बढ़ोत्तरी की है। 2022-23 में दिल्ली का शिक्षा बजट 16,278 करोड़ रुपये था, बार 2023-24 के लिए 16,575 करोड़ रुपये का बजट रखा है।

दिल्ली सरकार 2023-24 में राष्ट्रीय राजधानी के 350 स्कूलों में नए कंप्यूटर स्थापित करने के अलावा सभी शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, उप-प्राचार्यों को नए टैबलेट मुहैया कराएगी। वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने 78 हजार 800 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है।

दिल्ली सरकार के अधीन 350 स्कूलों में से प्रत्येक को 20 नए कंप्यूटर प्रदान किए जाएंगे। विशिष्ट उत्कृष्टता वाले स्कूलों में फ्रेंच, जर्मन, जापानी और स्पेनिश पढ़ाना भी शिक्षा क्षेत्र के लिए दिल्ली के बजट की मुख्य विशेषताएं हैं। मंत्री ने कहा कि 2023 में अंबेडकर विशिष्ट शिक्षा विद्यालयों की और शाखाएं खुलेंगी।

2021 में विशिष्ट शिक्षा के 20 विद्यालय थे, जिन्हें 2023 में बढ़ाकर 37 किया जाएगा। गहलोत ने यह भी घोषणा की कि स्कूल ऑफ एंप्लाइड लर्निंग में बच्चों के लिए पेशेवर कौशल विकसित करने के लिए स्कूल और उद्योग सहयोग करेंगे।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन की याचिका पर दिल्ली HC ने सुरक्षित रखा फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने आज बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ सत्येंद्र जैन (Satyendar Jain) की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित केजरीवाल सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर अपना निर्णय सुरक्षित रखा। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने ईडी और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा।

बता दें कि इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद जैन ने जमानत देने से इनकार करने के निचली अदालत के निर्णय को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। गौरतलब है कि सत्येंद्र जैन 12 जून 2022 से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।

इससे पहले की सुनवाई के दौरान ईडी ने सत्येंद्र जैन को जमानत मिलने पर गवाहों की जान को खतरे की आशंका जताई थी। ईडी ने कहा था कि जैन बड़े राजनीतिक पद पर रह चुके हैं और वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। इसलिए उन्हें जमानत मिलने से वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

मनीष सिसोदिया को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

उधर, आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज बुधवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 5 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। रिमांड समाप्त होने पर ईडी ने सिसोदिया को अदालत में पेश किया था। वर्तमान में वह आबकारी नीति सीबीआई के मामले में हिरासत में जेल में हैं।

क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि दिल्ली-एनसीआर में बंगाल टाइगर की खाल की तस्करी में एक गिरोह सक्रिय है

बंगाल टाइगर की 2 खाल के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार, 20-20 लाख में बेचने की चल रही थी डील

पुलिस जांच में जुटी ही थी कि उन्हें पता चला कि गिरोह के सदस्य बाघ की खाल के कुछ संभावित खरीदारों के साथ सौदा करने के लिए छतरपुर मेट्रो स्टेशन आएंगे। वहां से पहले अमीर खान पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से एक खाल बरामद की गई।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने बंगाल टाइगर की खाल की तस्करी करने वाले पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले अमीर लोगों को खाल बेचने की कोशिश कर रहे थे। कई लोगों से उनकी 20-20 लाख रुपये प्रति खाल की डील चल रही थी। इनके कब्जे से दो खाल व चार मोबाइल बरामद किए गए हैं। इस गिरोह को दबोचने के लिए क्राइम चार माह से जुटी हुई थी।

विशेष आयुक्त, क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक बंगाल टाइगर की खाल की तस्करी और बिक्री में लिप्त रैकेट के जिन पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया हे उनके नाम अमीर खान (रंगपुरी पहाड़ी, वसंतकुंज), दीपक कुमार (प्रेम नगर, गुरुग्राम), मोहित (ताराचंद कालोनी, महिपालपुर), शिवम सिसोदिया (तारा चंद कालोनी, महिपालपुर) राहुल रावत व (रंगपुरी पहाड़ी, मलिकपुर खोई, वसंतकुंज) है।

क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि दिल्ली-एनसीआर में बंगाल टाइगर की खाल की तस्करी में एक गिरोह सक्रिय है। डीसीपी अमित गोयल, एसीपी रमेश लांबा व इंस्पेक्टर संजय गुप्ता के नेतृत्व में एसआइ देवी दयाल, राकेश शर्मा, एएसआइ रतन सिंह, धर्मेंद्र, हवलदार संदीप, चंदर प्रकाश, अजय, बृजेश तिवारी व सिपाही सुखदेव व अमित की टीम ने जानकारी जुटानी शुरू कर दी। पुलिस जांच में जुटी ही थी कि उन्हें पता चला कि गिरोह के सदस्य बाघ की खाल के कुछ संभावित खरीदारों के साथ सौदा करने के लिए छतरपुर मेट्रो स्टेशन आएंगे। वहां से पहले अमीर खान पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से एक खाल बरामद की गई।

मौके पर वाइल्ड लाइफ टीम को बुलाया गया और बरामद खाल की जांच के बाद उसके असली बंगाल टाइगर की खाल होने की पुष्टि हुई। उससे पूछताछ के बाद दो अन्य राहुल और मोहित को कुल्लू, हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त दोनों से पूछताछ के बाद मोहित को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। मोहित से पूछताछ के बाद शिवम को कुतुब विहार, गोयला डेयरी के पास, जंगल क्षेत्र से दबोच कर एक और खाल बरामद की गई।

जांच से पता चला कि शिवम बाघ की खाल का मुख्य स्रोत था। उसके पास चार खालें थी। उसने मोहित से संपर्क किया और उससे कुछ खरीदार मांगा और नमूने के तौर पर उसे एक बाघ की खाल सौंप दी। मोहित ने आगे राहुल से संपर्क किया। राहुल ने आगे आमिर से संपर्क किया और उससे कुछ खरीदार मांगा। आमिर ने आगे दीपक से संपर्क कर उससे कुछ खरीदार मांगा।

वेटर का काम करता है आमिर खान

दीपक अवैध सौदे के लिए ग्राहकों की व्यवस्था कर रहा था। आमिर खान वेटर का काम करता है। दीपक कुमार ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद प्राइवेट नौकरी कर रहा था। मोहित भी प्राइवेट नौकरी कर रहा था। शिवम सिसोदिया मूलरूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का रहने वाला है वह घरेलू सहायक का काम करता था। राहुल रावत भी प्राइवेट नौकरी कर रहा था।

लोन और नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

परिवहन विशेष संवाददाता

अलग-अलग बैंकों से लोन दिलाने और विभिन्न कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सेक्टर-63 कोतवाली पुलिस ने छह आरोपितों को मंगलवार को दबोच लिया। कोतवाली क्षेत्र स्थित एच-61 में काल सेंटर खोलकर ठगी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था।

नोएडा। अलग-अलग बैंकों से लोन दिलाने और विभिन्न कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सेक्टर-63 कोतवाली पुलिस ने छह आरोपितों को मंगलवार को दबोच लिया। कोतवाली क्षेत्र स्थित एच-61 में काल सेंटर खोलकर ठगी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था।

इसके अलावा पंचकर्मा आयुर्वेदा चूर्ण का स्टीकर जालसाज लोगों को सामान्य चूर्ण बेच रहे थे। जालसाजों की पहचान हापुड़ के बहादुरगढ़ के विकास कुमार और पुनीत कुमार, गाजियाबाद के कविनगर के देवांश सक्सेना, हाथरस के हर्षित श्रीवास्तव, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के नितिश कुमार और महोबा के शैलेंद्र के रूप में हुई है।

विकास गिरोह का सरगना है। पुनीत और विकास भाई हैं। आरोपितों के कब्जे से दो डेस्कटाप, चार लैपटाप, 13 स्मार्ट फोन, एक लाख 18 हजार की नकदी, पंचकुला आयुर्वेद की एक मोहर, सात फर्जी स्टीकर, 20 एटीएम कार्ड, पांच अप्रूवल लेटर, 167 डाटा शीट, 53 पंचकर्मा आयुर्वेदा चूर्ण की बड़ी डिब्बी और दस छोटी डिब्बी, एक होंडा सिविक कार और मोटरसाइकिल बरामद हुई है।

नकली चूर्ण बेचकर एकत्र करते थे डाटा

एसीपी अमित प्रताप सिंह के मुताबिक आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि कोतवाली क्षेत्र में आफिस खोलने के बाद उन्होंने पंचाकर्म आयुर्वेद प्रोसिस केयर किट में नकली चूर्ण भरकम उस पर असली किट का स्टीकर लगाया और चूर्ण को तीन से छह हजार रुपये में बेचना प्रारंभ किया। सामान्य चूर्ण आरोपित दिल्ली से पांच सौ रुपये में खरीदते थे और छह से 12 गुना ज्यादा कीमत पर बेचते थे।

ऑनलाइन प्लेटफार्म पर चूर्ण का आर्डर लिया जाता था और उसे बेचा जाता था। यहीं से जालसाजों को संबंधित व्यक्ति का डाटा भी मिल जाता था। डाटा मिलने के बाद आरोपित संबंधित व्यक्ति को फोन कर नौकरी और लोन दिलाने का झांसा देकर ठगी करते थे। ठगी के पैसे से ही आरोपितों ने कार सहित अन्य सामान खरीदा है।

नौकरी छोड़ प्रारंभ की ठगी

डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि गिरोह का सरगना विकास है। वह पूर्व में एक इंश्योरेंस कंपनी में काम कर चुका है। उसे लोन दिलाने की पूरी प्रक्रिया का पता था। इसका फायदा उठाकर ही वह आसानी से लोगों को अपने जाल में फंसा लेता था। कुछ ही माह में विकास ने ठगी कर इतना पैसा कमा लिया कि उसने दफ्तर खोलकर 16 लोगों को नौकरी दी, जिसमें दस युवतियां थीं। इनको 16 से 30 हजार रुपये तक सैलरी मिलती थी। कमीशन अलग से मिलता था।

गिरोह तक ऐसे पहुंची पुलिस

कोतवाली प्रभारी अमित कुमार मान ने बताया कि बीते दिनों नोएडा के एक व्यक्ति को 16 लाख रुपये का लोन दिलाने का झांसा विकास और उसके साथियों ने दिया। इसके लिए प्रोसेसिंग फीस सहित अन्य प्रकार की फीस का हवाला दिया गया और कई बार में साल लाख रुपये पीड़ित से ले लिए गए।

जब पीड़ित से और पैसे की मांग की गई तो उसने देने से मना कर दिया और अपने पैसे वापस करने को कहा। इसके बाद जालसाजों ने नंबर बंद कर दिया। पीड़ित ने पुलिस से मामले की शिकायत की। कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस की टीम गिरोह के सरगना तक पहुंची और उसे और उसके साथियों को दबोच लिया गया।

इनसाइड

नीमका जेल की चारदीवारी के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव

मृतक 22 वर्षीय युवक हरदोई जिला उत्तर प्रदेश का रहने वाला बताया गया है। वह यहां पर किसी ठेकेदार के पास काम करता था। ठेकेदार ने किसी उद्योग में काम करने का ठेका लिया हुआ है। जेल की चारदीवारी के पास शव पढ़ा हुआ किसी ग्रामीण ने देखा।

फरीदाबाद। जिला नीमका जेल की चाहर दीवारी के पास सोहन नामक युवक का रहस्यमय परिस्थितियों में शव मिला है। मृतक 22 वर्षीय युवक हरदोई जिला उत्तर प्रदेश का रहने वाला बताया गया है। वह यहां पर किसी ठेकेदार के पास काम करता था। ठेकेदार ने किसी उद्योग में काम करने का ठेका लिया हुआ है। जेल की चारदीवारी के पास शव पढ़ा हुआ किसी ग्रामीण ने देखा। इसके बारे में थाना सदर पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने मौके पर जाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल भेज दिया है। इसके बारे में मृतक के स्वजन को सूचना दे दी है। स्वजन आने के बाद पुलिस कार्रवाई करेगी और शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पार्किंग विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के एक फार्म हाउस में बुधवार को भूरे नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के साथी ने बताया कि आरोपी शव को मुरादनगर नहर में फेंककर फरार हो गया है।

गाजियाबाद। क्रासिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के एक फार्म हाउस में बुधवार को भूरे नाम के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के साथी ने बताया कि आरोपी शव को मुरादनगर नहर में फेंककर फरार हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और मामले की जांच में जुटी है।

इसके साथ एनडीआरएफ की मदद से मुरादनगर नहर में युवक के शव की तलाश की जा रही है। पुलिस को प्रथम दृष्ट्या जांच में पता चला है कि पार्किंग के विवाद के चलते घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस का कहना कि शव मिलने के बाद ही पूरे मामले के बारे में जानकारी हो सकेगी। मृतक के परिजनों ने आरोपी मुकेश के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

सीएमओ ने किया 2 उप स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण

गाजियाबाद के सीएमओ डॉक्टर भवतोष शंखधर ने बुधवार सुबह को भोजपुर क्षेत्र के दो उप स्वास्थ्य केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों केंद्रों पर ताला लटका मिला। इसके बाद सीएमओ ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के सीएमओ डॉक्टर भवतोष शंखधर ने बुधवार सुबह को भोजपुर क्षेत्र के दो उप स्वास्थ्य केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों स्वास्थ्य केंद्रों पर ताला लगा हुआ मिला। प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के साथ ही अन्य स्वास्थ्य कर्मी दो घंटे तक वहां नहीं पहुंचे।

नोटिस जारी कर मांगा स्पष्टीकरण

सीएमओ ने सभी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन काटने के आदेश जारी किए हैं ।सीएमओ ने बताया कि सबसे पहले उप स्वास्थ्य केंद्र भटजन पर पहुंचे जहां पर ताला लगा हुआ मिला। इस केंद्र पर सीएचओ मनमोहन की तैनाती है।

ताला लगा देखकर नाराज हुए सीएमआओ

इसके इसके बाद सीएमओ मुरादाबाद गांव के उप स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे। इस पर भी ताला लगा हुआ देखकर सीएमओ बेहद नाराज हो गए और वहीं से नोडल अधिकारी को फोन करके फटकार लगाई। इस केंद्र पर सीएचओ सूरज की तैनाती है।

लोनी में दोस्तों ने ईंट से वार कर कामगार को मार डाला, शराब पीने के दौरान हुआ था झगड़ा

मूलरूप से बुलंदशहर में रहने वाले गोविंद कुमार परिवार के साथ लोनी के दौलत नगर कालोनी में रहते थे। वह कामगार थे। परिवार में पत्नी लक्ष्मी बच्चे कोमल, कंचन, वंश और कुनाल हैं।

गाजियाबाद। लोनी के ट्रानिक सिटी थाना क्षेत्र की दौलतनगर कालोनी में दो दोस्तों ने शराब पीने के दौरान हुए झगड़े में कामगार की ईंट से वार करके हत्या कर दी। शव के ऊपर पत्थर और झाड़ी डालकर उसे छिपा दिया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही से शव को बरामद किया है।

मूलरूप से बुलंदशहर में रहने वाले गोविंद कुमार परिवार के साथ लोनी के दौलत नगर कालोनी में रहते थे। वह कामगार थे। परिवार में पत्नी लक्ष्मी बच्चे कोमल, कंचन, वंश और कुनाल हैं। स्वजन ने बताया कि शुक्रवार को गोविंद घर से निकले थे। शाम तक वह वापस नहीं आए तो उन्होंने फोन किया। उन्होंने जल्द घर आने की। पीछे से उनके दो दोस्तों की आवाज आ रही थी। कुछ देर बाद उन्होंने फिर से फोन किया तो वह बंद आने लगा।

रविवार को उन्होंने ट्रानिका सिटी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने उसके दोस्तों बिटू और परवेज को हिरासत में लिया। मंगलवार शाम पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिए। उनकी निशानदेही पर गोविंद का शव कालोनी स्थित एक गड्ढे में भरे पानी के अंदर से बरामद किया। एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि मामले में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एटीएम खोलकर 16.52 लाख रुपये निकाल ले गए चोर

राज नगर पालम नई दिल्ली में रहने वाले नितेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सीएमएस इंफो सिस्टम लिमिटेड कंपनी मोहन कापरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट नई दिल्ली में सीनियर मैनेजर आपरेशन के पद पर काम करता हूं।

फरीदाबाद। पल्ला थाने के अंतर्गत सरस्वती कालोनी में हिटाची मनी स्पाट एटीएम को खोलकर 16 लाख 52 हजार 800 रुपये चोरी कर लिए। राज नगर पालम नई दिल्ली में रहने वाले नितेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सीएमएस इंफो सिस्टम लिमिटेड कंपनी, मोहन कापरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली में सीनियर मैनेजर आपरेशन के पद पर काम करता हूं। उनकी कंपनी हिटाची मनी स्पाट एटीएम में पैसा डालने का काम करती है। 18 मार्च को कंपनी की गाड़ी लेकर चालक राजीव गुनमान, अरविंद, प्रदीप तथा कस्डोडियन अनिल व करण बंजारा सरस्वती कालोनी में आए। यहां एटीएम में 10 लाख रुपये डाले। उसके बाद एटीएम में कुल 19 लासख 15 हजार 200 रुपये थे। जिसमे से दो लाख 29 हजार 500 रुपये एटीएम उपभोक्ता द्वारा निकासी कर ली गई। 19 मार्च एटीएम खुली पाई गई। हिटाची कंपनी के प्रबंधक के महेश लांबा को सुचना मिली कि एटीएम खुली हुई है। सूचना मिलने पर कंपनी से हयात अली, महेश लांबा, एटीएम कस्टोडियन अनिल कुमार व करण बंजारा ने एटीएम की जांच की। बताया कि किसी ने एटीएम खोलकर 16 लाख 52 हजार 800 रुपये चोरी कर लिए हैं। इसकी सूचना पल्ला थाना पुलिस को दी। मौके पर एसीपी सराय, एसएचओ पल्ला क्राइम ब्रांच सेक्टर-56 और 30 की टीम मौके पर आई और छानबीन शुरू की ।पता चला है कि एटीएम पर कोई सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं रहता था। पुलिस वहां लगे हुए सीसीटीवी कैमरे की जांच कर रही है।

नोएडा पहुंचीं गीता फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ पर लगे आरोपों पर साधी चुप्पी

भारतीय कुश्ती संघ और पहलवानों के बीच के हुए विवाद को और इस विवाद की जांच कर रही ओवरसाइट कमेटी की टाइमलाइन 8 मार्च को पूरी हो चुकी है। लेकिन अभी तक डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाने वाले पहलवान जांच में सबूत पेश नहीं कर सके।

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 26 स्थित आई केयर अस्पताल में बुधवार दोपहर आंखों के लेसिक कांटोरा विजन मशीन का उद्घाटन करने के लिए पहलवान गीता फोगाट पहुंची। मीडिया द्वारा भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर आरोप लगाकर धरना देने वाले पहलवान द्वारा जांच कमेटी को यौन शोषण की पीड़ित महिला पहलवानों की सूची न दे पाने के मुद्दे पर उन्होंने चुप्पी साध रखी।

गौरतलब है कि भारतीय कुश्ती संघ और पहलवानों के बीच के हुए विवाद को और इस विवाद की जांच कर रही ओवरसाइट कमेटी की टाइमलाइन 8 मार्च को पूरी हो चुकी है। लेकिन अभी तक डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाने वाले पहलवान जांच में सबूत पेश नहीं कर सके। भारतीय कुश्ती संघ और पहलवानों के बीच के हुए विवाद को लेकर 21 जनवरी को एक जांच कमेटी बनाई गई थी।

बता दें कि पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक व बजरंग पूनिया ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर भारतीय कुश्ती संघ अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और कोच पर यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया था। धरने के दौरान मीडिया के सामने विनेश फोगाट ने रोते हुए कहा कि अध्यक्ष और कोच नेशनल कैंप में महिला रेसलर्स का यौन उत्पीड़न करते हैं। वह (अध्यक्ष) खिलाड़ियों के होटल में रुकते थे, जो नियमों के खिलाफ है। टोक्यो ओलिंपिक में हार के बाद अध्यक्ष ने मुझे खोटा सिक्का कहा था।

इससे पहले आधुनिक उपकरण का उद्घाटन करते हुए गीता फोगाट ने कहा कि एक खिलाड़ी होने के नाते मैं स्पष्ट दृष्टि की महत्ता और आज के युवाओं की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में इसकी भूमिका को अच्छी तरह से समझ सकती हूं। मैं नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांति लाने वाले आधुनिक लेजिक टेक्नोलॉजी के उद्घाटन करने को लेकर काफी उत्साहित और खुश हूं। यह दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। खासकर शादी करने जा रहीं लड़कियों, अच्छा दिखने से जुड़े करियर में हाथ आजमाने जा रहे लड़कों, खिलाड़ी बनने की चाह रखनेवाले युवाओं, आर्मी से जुड़ने की चाह रखने वाले तमाम इच्छुकों और हरेक उस शख्स के लिए जो चश्मा नहीं पहनना चाहता है और ना ही कॉन्टेक्ट लेंस लगाना चाहता है।

आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों से सुरक्षा बल एकजुट होकर निपटेंगे- सेना प्रमुख

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित चुनौतियां पहले भी सामने आई हैं और आगे ही आती रहेंगी। देश के सभी सुरक्षा बल एकजुट होकर इससे निपटेंगे। देश आज इन सभी चुनौतियों से निपटने में सक्षम भी है।

गुरुग्राम। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा कि आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा से संबंधित चुनौतियां पहले भी सामने आई हैं और आगे ही आती रहेंगी। देश के सभी सुरक्षा बल एकजुट होकर इससे निपटेंगे। देश आज इन सभी चुनौतियों से निपटने में सक्षम भी है। जनरल मनोज पांडे मंगलवार को मानेसर स्थित एनएसजी कैंप में आयोजित होने वाली 10 दिवसीय अखिल भारतीय पुलिस कमांडो प्रतियोगिता का शुभारंभ करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि नए जमाने की तकनीकों के जरिए दुश्मन का ड्रोन हमले, इंटरनेट, सोशल मीडिया और कई तकनीकों से गतिविधियों को अंजाम देने का प्रयास जारी रहता है। इसके साथ ही आतंकवादी हमले की किसी भी संभावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमारी इंटेलिजेंस एजेंसियां किसी भी बड़े नेटवर्क को असफल करने में कामयाब हैं। उन्होंने कहा कि एनएसजी एक ऐसा दल है जो सभी दलों के साथ संयुक्त रूप से इस प्रकार के सभी खतरों और चुनौतियों से लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

इनसाइड

हीरो स्पलेंडर प्लस के मुकाबले कितनी दमदार है होंडा शाइन 100, कौन किस मामले में बेहतर

भारतीय बाजार में हीरो और होंडा दोनों कंपनियों की बाइक्स अधिक सेल होती है। हाल के दिनों में लॉन्च की गई होंडा शाइन 100 का मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus की तुलना लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। हीरो और होंडा दोनों ही कंपनियां भारतीय बाजार में आज से ही नहीं कई सालों से राज करते आ रही है। ये तो आपने भी खुद अनुभव किया होगा कि भारतीय सड़कों पर अधिकतर हीरो और होंडा की बाइक्स दिखाई देती है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने शाइन 100 के लॉन्च के साथ 100 सीसी मोटरसाइकिल कैटेगरी में कदम रखा है। नई 2023 होंडा शाइन 100 को भारतीय बाजार में 64,900 रुपये एक्स-शोरूम में लॉन्च किया गया है और इसका मुकाबला स्प्लेंडर प्लस से है। आज हम आपके लिए एंट्री-लेवल 100cc कम्यूटर मोटरसाइकिल की तुलना लेकर आए हैं।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus डिजाइन और कलर

डिजाइन के मामले में, इन दोनों मोटरसाइकिल का लुक ही लोगों को अधिक पसंद आता है। वाहन निर्माता कंपनी ने होंडा शाइन 100 को पांच कलर ऑप्शन में पेश किया है, जबकि स्प्लेंडर प्लस बारह पेंट कलर ऑप्शन में ही आती है।

Honda Shine 100 vs Hero Splendor Plus इंजन और गियरबॉक्स

Honda Shine 100 में 99.7cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन है जो 7.6 bhp और 8.05 Nm का टार्क जनरेट करती है। दूसरी ओर, हीरो स्प्लेंडर प्लस में 97.2cc, सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड मोटर मिलता है जो 7.9 bhp और 8.05 Nm का पीक टॉर्क जनरेट करती है। ये दोनों मोटरसाइकिलें 4-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जुड़ी हैं। इसके अलावा ये 60-70 kmpl का माइलेज देती है। नई होंडा शाइन 100 के साथ-साथ हीरो स्प्लेंडर प्लस स्पोर्ट टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में डुअल स्प्रिंग-लोडेड शॉक एब्जॉर्बर के साथ आती है। दोनों में ब्रेकिंग सिस्टम के साथ दोनों ओर ड्रम ब्रेक द्वारा ब्रेकिंग ड्यूटी है।

Volkswagen 2025 तक लॉन्च कर सकती है अपनी हैचबैक इलेक्ट्रिक कार, एंट्री लेवल से ईवी में प्रवेश करेगी कंपनी

यह कई फॉक्सवैगन आर-बैज वाली इलेक्ट्रिक कारों में से एक होगी जिसे ऑटोमेकर वर्तमान में डेवलप कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जर्मन कार ब्रांड ने पहले पुष्टि की थी कि हर नया आर प्रोडक्ट 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होगा।

फॉक्सवैगन इस समय इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में काफी तेजी से काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी आने वाले समय में एंट्री लेवल ईवी (ID.2.) कोडनेम को डेवलप करने की तैयारी कर रही है। ब्रिटिश ऑटोमोटिव प्रकाशन Autocar UK का दावा है कि EV एक हैचबैक अवतार में आएगी, जबकि एक कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर भी होगी। अधिक दिलचस्प बात यह है कि EV AWD से लैस एक R-बैज प्रदर्शन-केंद्रित संस्करण के साथ आएगा, जो 300 हॉर्स पॉवर जेनरेट करने में सक्षम होगा।

जानिए इसपर क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फॉक्सवैगन ID.2 2025 की दूसरी छमाही में आएगी, और इसका आर-बैज संस्करण Abarth 500e जैसे गाड़ियों को सीधा चैलेंज करेगी। यह कई फॉक्सवैगन आर-बैज वाली इलेक्ट्रिक कारों में से एक होगी, जिसे ऑटोमेकर वर्तमान में डेवलप कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जर्मन कार ब्रांड ने पहले पुष्टि की थी कि हर नया आर प्रोडक्ट 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होगा। यह इलेक्ट्रिक कार कब लॉन्च होगी, क्या कुछ इसमें खास मिलने वाला है? लुक और डिजाइन में कैसी होगी इन तमाम सवालों का जवाब तभी मिल पाएगा, जब कंपनी खुद से रिवील करेगी। हालांकि, भारत में ये इलेक्ट्रिक कार आएगी या नहीं इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

ईवी की तेजी से बढ़ रही बिक्री

2022 की चौथी तिमाही में फॉक्सवैगन ने वैश्विक स्तर पर 118,000 ईवी बेचे, जर्मन ब्रांड के लिए एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया। कुल मिलाकर, 2022 में 300,000 से अधिक फॉक्सवैगन ईवी का उत्पादन किया गया था।

हीरो जल्द शुरू कर सकता इलेक्ट्रिक बाइक पर काम, अमेरिका की इस बड़ी कंपनी से मिलाया हाथ

दोपहिया प्रमुख हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि उसने प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को डेवलप करने के लिए अमेरिका स्थित जीरो मोटरसाइकिल के साथ एक समझौता किया है। कंपनी जल्द ही इलेक्ट्रिक सेगमेंट में आने को तैयार है।

देश में इस समय इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल की डिमांड होना शुरू हो गया है। हालांकि, अभी इस सेगमेंट में कई स्टॉर्टअप्स कंपनियां अपना लक आजमा रही हैं। अब हीरो भी अपने इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एंट्री मारने की तैयारी कर रही है। अपने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए कंपनी ने अमेरिका के एक प्रसिद्ध कंपनी के साथ हाथ मिलाया है।

हीरो ने किया करार

दोपहिया प्रमुख हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि उसने प्रीमियम इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को डेवलप करने के लिए अमेरिका स्थित जीरो मोटरसाइकिल के साथ एक समझौता किया है। देश की सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के मैन्यूफैक्चरिंग, सोर्सिंग और मार्केटिंग के पैमाने के साथ पावर ट्रेन और इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल डेवलप करने में जीरो के साथ समझौता किया है। सितंबर 2022 में, हीरो मोटोकॉर्प के बोर्ड ने कैलिफोर्निया स्थित जीरो मोटरसाइकिल में 60 मिलियन अमरीकी डालर तक के इक्विटी निवेश को मंजूरी दी, जो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल और पावरट्रेन में बड़ा प्लेयर है।

Hero Vida की खासियत

नया हीरो वीडा वी 1 दो वेरिएंट प्लस और प्रो में उपलब्ध है। इसमें कई राइड़िग मोड इको, राइड, स्पोर्ट है। प्लस और प्रो वेरिएंट के लिए 0-40 किमी प्रति घंटे का समय लगता है वहीं क्रमशः 3.4 सेकंड और 3.2 सेकंड है। दोनों में ली- आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया है। प्रो वेरिएंट 3.94 kWh बैटरी पैक के साथ आता है जबकि प्लस वर्जन में 3.44 kWh बैटरी पैक मिलता है। वहीं बड़े बैटरी पैक के साथ, प्रो वेरिएंट को 165km की IDC प्रमाणित रेंज मिलती है। दूसरी ओर , प्लस वेरिएंट को 143 किमी की प्रमाणित सीमा मिलती है। फास्ट चार्जिंग स्पीड 1.2 किमी प्रति मिनट है।

इंडियन मार्केट में कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स क्यों फेमस? असल वजहों के बारे में समझें

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत एक ऐसा देश है जहां बेचे गए कुल वाहनों की अधिकांश बिक्री पैसेंजर वाहनों द्वारा कवर की जाती है और उनमें से एक बड़ा हिस्सा दोपहिया वाहनों का हैं। कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स को लोग अधिक महत्व देते हैं।

नई दिल्ली। भारत में इस समय कारों की बिक्री में इजाफा देखने को मिला है। आप खुद ही आप पास के घरों में खड़ी कारों को देखकर अंदाजा लगा सकते हैं। हालांकि, जिनके भी घर कार होगी उनके घर दोपहिया वाहन जरूर देखने को मिलेगा। इस खबर में आपको बताने जा रहे हैं उन 3 वजहों के बारे में जहां आपको यह पता चलेगा कि कारों की तुलना में टू-व्हीलर्स इंडियन मार्केट में क्यों फेमस हैं

बेहतरीन माइलेज

कारों की तुलना में मोटरसाइकिल की माइलेज भी अधिक होती है। अगर कार औसतन 25 की माइलेज देती है तो टू-व्हीलर भी 60-70 तक की औसतन माइलेज देने में सक्षम है। यही वजह है कि भारत में अधिकतर लोग चार पहिया की तुलना में दोपहिया वाहन खरीदना अधिक पसंद करते हैं। इस समय एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस आने वाली मोटरसाइकिलों जिसमें अधिक सीसी का इंजन लगा हुआ होता है उसकी औसतन माइलेज 20-30 Kmpl होती है।

प्रदूषण

पर्यावरण के नजरिए से भी दोपहिया वाहन चार पहिया वाहन की तुलना में बेहतरीन होते हैं, क्योंकि चार पहिया वाहन अधिक ईंधन खाते हैं और उससे अधिक पॉल्यूशन भी निकलता है, वहीं दोपहिया वाहन हैं बहुत कम ईंधन खर्च होने के कारण उससे होने वाली पॉल्यूशन की मात्रा कम होती है। इसलिए, पर्यावरण के लिहाज से टू-व्हीलर बेस्ट होती हैं।

किफायती दाम

दोपहिया वाहन कार की तुलना में बेहद सस्ते होते हैं। जिस वजह से एक मध्यम वर्गीय परिवार और निचला मध्यम वर्गीय परिवार भी इसे खरीद पाता है। भारत के बाज़ार में लगभग 40,000 रुपए की शुरुआती क़ीमत से दोपहिया वाहनों की बिक्री शुरू हो जाती है। इसके अलावा, इन वाहनों के लिए बीमा बहुत कम लागत पर आता है। दोपहिया वाहनों की सबसे ख़ास बात यह होती है कि इनकी री सेल क़ीमत भी बहुत अधिक होती है। साथ ही इनका माईलेज भी कार की तुलना में कहीं बेहतर होता है।

इस मौसम में सबसे अधिक परेशान करती है कार के अंदर की धुंध, इन उपायों से मिलेगा चुटकियों में समाधान

आपके ड्राइविंग अनुभव को धुंधली स्क्रीन काफी हद तक खराब कर देती है। इससे गाड़ी चलाते समय सामने देखना काफी मुश्किल हो जाता है। धुंध सिर्फ बाहर ही नहीं आपके कार के अंदर भी परेशान करती है। इसके लिए आपको इन चुनिंदा बातों का ख्याल रखना चहिए।

नई दिल्ली। इस समय ठंड काफी तेजी से बढ़ रही है ।सुबह के समय कोहरा काफी अधिक हो रहा है, जिससे गाड़ी चलाते समय सामने देखना काफी मुश्किल हो जाता है। लेकिन ये परेशानी कार के अंदर भी होती है। अगर आपके कार के अंदर भी ठंड के मौसम में धुंध भर जाती है तो आज हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं जिससे आपकी परेशानी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। आपके ड्राइविंग अनुभव को धुंधली स्क्रीन काफी हद तक खराब कर देती है। सबसे अधिक दिक्कत इस समय होती है। कोहरे के कारण आप कार के बाहर का देख नहीं सकते हैं। धुंध सिर्फ बाहर ही नहीं आपके कार के अंदर भी परेशान करती है। इसके लिए आपको इन चुनिंदा बातों का ख्याल रखना चहिए।

डिफॉग बटन का इस्तेमाल करें

अगर आप इस बात से अनजान हैं तो अपनी कार के अंदर आप विंडशील्ड को डिफॉग करने के लिए गाड़ी के अंदर दिए गए डिफॉग बटन का इस्तेमाल करें। ये बटन आपके कार के अंदर आता है। इसको दबाने के बाद हवा सीधे विंडशील्ड तक पहुंच जाती है।

एसी को ऑन करें

कार में जैसे ही बैठते हैं तो थोड़ी देर बाद फॉग महसूस होने लगता है, जिसके कारण आप बाहर का देख नहीं सकते और आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको बता दें कि इसके लिए आप कार में एसी को ऑन कर सकते हैं। इसके बाद लिंट-फ्री कपड़े से स्क्रीन को पोछ लेना चाहिए, ताकि आपको दिखाई देने लगे। इसके कारण कार के अंदर की धुंध भी गायब हो जाती है।

खिड़की को नीचे करें

कार के अंदर से धुंध को बाहर करने के लिए खिड़की को नीचे करना एक अच्छा ऑप्शन है। इससे बाहर की हवा अचानक आपकी कार के अंदरुनी हिस्सो को भर देती है, इसके कारण ही अंदर का तापमान बाहर के तापमान की तरह हो जाता है।

जी-20 और भारतीय शिक्षा

डा. वरिंदर भाटिया

शिक्षा क्षेत्र ने हाल के वर्षों में कई सुधार और परिवर्तन देखे हैं जो संभवतः दुनिया को एक ज्ञान स्वर्ग में बदल सकते हैं। विश्व के समग्र विकास में मानव संसाधन के तेजी से बढ़ते महत्व के साथ, भारत को शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विकास पर मौजूदा दशक में मुख्य फोकस बनाए रखना चाहिए। इस परिदृश्य में, शिक्षा क्षेत्र में बुनियादी ढांचा निवेश में काफी निवेश देखने को मिल सकता है'

भारत की जी-20 की अध्यक्षता के तहत इससे जुड़े शिक्षा कार्यसमूह की दूसरी बैठक पंजाब के अमृतसर शहर में संपन्न हुई है। शिक्षा को लेकर पूरे विश्व में भारत का योगदान सराहनीय है। ऐसे में जी-20 को लेकर भारत और विश्व के परिप्रेक्ष्य का विश्लेषण किए जाने की जरूरत है। शिक्षा को व्यापक रूप से व्यक्तियों और समाजों दोनों के लिए एक मौलिक संसाधन के रूप में स्वीकार किया जाता है। दरअसल, आजकल अधिकांश देशों में बुनियादी शिक्षा को न केवल एक अधिकार के रूप में बल्कि एक कत्र्तव्य के रूप में भी माना जाता है। सरकारों से आम तौर पर बुनियादी शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है, जबकि नागरिकों को अक्सर एक निश्चित बुनियादी स्तर तक शिक्षा प्राप्त करने के लिए राष्ट्र के सहयोग की आवश्यकता होती है। एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण से, दुनिया पिछली दो शताब्दियों में शिक्षा के क्षेत्र में एक महान विस्तार से गुजरी है। यह सभी मात्रा उपायों में देखा जा सकता है। पिछली दो शताब्दियों के दौरान वैश्विक साक्षरता दर बढ़ रही है, मुख्य रूप से प्राथमिक शिक्षा में नामांकन की बढ़ती दरों के बावजूद। माध्यमिक और तृतीयक शिक्षा में भी भारी वृद्धि देखी गई है। स्कूली शिक्षा के वैश्विक औसत वर्ष सौ साल पहले की तुलना में अब बहुत अधिक हैं। इन सभी विश्वव्यापी सुधारों के बावजूद कुछ देश पीछे रह गए हैं। मुख्य रूप से ग्लोबल साउथ के देशों में, जहां अभी भी ऐसे देश हैं जिनकी युवाओं में साक्षरता दर 50 फीसदी से भी कम है। कोरोना ने छोटे बच्चों, छात्रों और युवाओं के जीवन पर कहर बरपाया है।

महामारी के कारण समाजों और अर्थव्यवस्थाओं के विघटन ने पहले से मौजूद वैश्विक शिक्षा संकट को बढ़ा दिया है और शिक्षा को अभूतपूर्व तरीके से प्रभावित किया है। इसके कई नाटकीय व्यवधानों के बीच, महामारी ने पिछली सदी की शिक्षा में सबसे खराब संकट पैदा कर दिया है। वैश्विक स्तर पर, फरवरी 2020 और फरवरी 2022 के बीच, शिक्षा प्रणाली औसतन 141 दिनों के लिए व्यक्तिगत रूप से सीखने के लिए पूरी तरह से बंद थी। दक्षिण एशिया और लैटिन अमेरिका और कैरेबियन में बंद क्रमशः 273 और 225 दिनों तक चला। कम और मध्यम आय वाले देशों में, सीखने की गरीबी में रहने वाले बच्चों की हिस्सेदारी (महामारी से पहले ही 57 फीसदी) संभावित रूप से 70 फीसदी तक पहुंच सकती है जो लंबे समय तक स्कूल बंद रहने और व्यापक डिजिटल विभाजन के कारण स्कूल बंद होने के दौरान दूरस्थ शिक्षा की प्रभावशीलता में बाधा बनती है। कोरोना की महामारी की शुरुआत और उसके बाद के लॉकडाउन के बाद से स्कूली बच्चों ने अनुमानित 2 ट्रिलियन घंटे (और गिनती) इन-पर्सन इंस्ट्रक्शन खो दिए हैं। स्कूल बंद होने के चौंका देने वाले प्रभाव सीखने से परे हैं।

ऐसा अनुमान है कि बच्चों की यह पीढ़ी वर्तमान मूल्य में या आज के वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 17 फीसदी के बराबर जीवन भर की कमाई में कुल यूएस $21 ट्रिलियन खो सकती है। प्राचीन भारत में तक्षशिला, पाटलीपुत्र, कान्यकुब्ज, मिथिला, धारा, तंजोर, काशी, कर्नाटक, नासिक आदि शिक्षा के प्रमुख वैश्विक केंद्र थे जहां विभिन्न देशों से छात्र शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। कालांतर में नालंदा विश्वविद्यालय (450 ई.), वल्लभी (700 ई.), विक्रमशिला (800 ई.) आदि शिक्षण संस्थाएं भी स्थापित हुई थीं। तक्षशिला विश्वविद्यालय (400 ई. के पूर्व) विश्व के प्राचीनतम विश्वविद्यालयों में से एक रहा है एवं चाणक्य इस विश्वविद्यालय के आचार्य रहे हैं। इन वैश्विक शिक्षा केंद्रों में विद्यार्थी अध्ययन करके स्वतंत्र रूप से जीविकोपार्जन करने हेतु धन अर्जन करने योग्य बन जाते थे। वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में भारत का महत्त्वपूर्ण स्थान है। उच्च शिक्षा के संस्थानों के विश्व के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक भारत में पाया जाता है। 0-14 वर्ष के आयु वर्ग में भारत की लगभग 27 फीसदी आबादी के साथ, भारत का शिक्षा क्षेत्र विकास के कई अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2020 में भारत में कॉलेजों की संख्या 42343 थी। 25 नवंबर 2022 तक भारत में विश्वविद्यालयों की संख्या 1072 थी।

भारत में 2019-20 में उच्च शिक्षा में 38.5 मिलियन छात्र नामांकित थे, जिसमें 19.6 मिलियन पुरुष और 18.9 मिलियन महिला छात्र थे। जी-20 में, भारतीय उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात 27.1 फीसदी था। वित्त वर्ष 2020 में भारत में शिक्षा क्षेत्र का मूल्य 117 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान लगाया गया था और वित्त वर्ष 25 तक इसके 225 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय एडटेक बाजार का आकार 2031 तक 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2021 में 700-800 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। भारत में ऑनलाइन शिक्षा क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। 2021-2025 के दौरान लगभग 20 फीसदी सीएजीआर पर 2.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि की उम्मीद है। भारत में उच्च शिक्षा संस्थान उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग के कारण ऑनलाइन कार्यक्रम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत की बड़ी अंग्रेजी बोलने वाली आबादी शैक्षिक उत्पादों के आसान वितरण की अनुमति देती है। अंग्रेजी प्रवीणता सूचकांक 2021 में भारत 112 देशों में से 48वें स्थान पर था। नौ भारतीय संस्थान, जैसे बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान और आठ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी में शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों में शामिल थे। कुल 100 भारतीय संस्थानों को टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023 के लिए क्वालीफाई किया गया है, जिसमें बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान सर्वोच्च स्थान पर है। इस क्षेत्र को उदार बनाने के लिए सरकार ने उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन विनियामक प्राधिकरण विधेयक और विदेशी शैक्षिक संस्थान विधेयक जैसी पहल की हैं। शिक्षा में बुनियादी ढांचे और प्रणाली को पुनर्जीवित करने और शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन और समावेशन कार्यक्रम की सरकारी योजनाएं सरकार को शिक्षा क्षेत्र में सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों से निपटने में मदद कर रही हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), जिसे 2021-22 से शुरू होने वाले इस दशक के दौरान पूरी तरह से लागू किया जाएगा, में उच्च गुणवत्ता वाली व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2021 के तहत सरकार वायरोलॉजी के लिए क्षेत्रीय और राष्ट्रीय संस्थान स्थापित करेगी। 15000 स्कूल, 100 नए सैनिक स्कूल और आदिवासी क्षेत्रों में 750 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय इनके अंतर्गत शामिल हैं। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और बजट घोषणाओं 2022-23 के साथ संरेखित करने के लिए वयस्क शिक्षा के सभी पहलुओं को कवर करने के लिए वित्त वर्ष 22-27 की अवधि के लिए 'न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम' को मंजूरी दे दी है। शिक्षा क्षेत्र ने हाल के वर्षों में कई सुधार और परिवर्तन देखे हैं जो संभवतः दुनिया को एक ज्ञान स्वर्ग में बदल सकते हैं। विश्व के समग्र विकास में मानव संसाधन के तेजी से बढ़ते महत्व के साथ, भारत को शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विकास पर मौजूदा दशक में मुख्य फोकस बनाए रखना चाहिए। इस परिदृश्य में, शिक्षा क्षेत्र में बुनियादी ढांचा निवेश में काफी निवेश देखने को मिल सकता है। उम्मीद है भारत की अध्यक्षता में जी-20 देशों समेत दुनिया को शिक्षा क्षेत्र में एक शिखर में पहुंचने में काफी सहायता मिलेगी।

संपादक की कलम से

किसानों के अच्छे दिन कब?

किसानों की महापंचायत भी हुई और केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर के साथ बातचीत भी हुई, लेकिन नतीजा 'शून्य' रहा। किसानों की उम्मीद भी 'शून्य' बताई जा रही है। बीती जुलाई में जो कमेटी गठित की गई थी, उसकी बैठक भी संयोगवश बुलाई गई थी। फिलहाल कमेटी ने 18 राज्यों से पूछा है कि किसानों की स्थिति क्या है? 19 विश्वविद्यालयों से सुझाव मांगे हैं कि किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) कैसे तय किया जा सकता है, जो उसे लाभकारी साबित हो? एमएसपी को कानूनी दर्जा देने पर अभी तक न तो विमर्श किया गया है और न ही यह कमेटी के एजेंडे में शामिल है। अलबत्ता निष्क्रिय कमेटी ने आश्वस्त किया है कि जून, 2023 में एक रपट भारत सरकार को सौंप दी जाएगी। राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 32 संगठनों के हजारों किसान जुटे, महापंचायत का नाम दिया गया। कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर, जो खुद छोटे किसान भी हैं, से 15 किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात और बातचीत की। यह संवाद 22 जनवरी, 2021 के बाद संभव हुआ है। भारत सरकार और किसानों के बीच लंबे दो साल तक संवाद क्यों नहीं हो सका, यह सवाल चिंतित भी करता है। चूंकि एमएसपी का सबसे महत्त्वपूर्ण मुद्दा आज भी अनसुलझा है, सरकार और कमेटी दोनों ही खामोश हैं। हाल ही में महाराष्ट्र में प्याज किसानों ने मीलों लंबा मार्च निकाला। एक किसान के 512 किलोग्राम प्याज के दाम मात्र 2 रुपए मिले। एक किसान 1457 किग्रा बैंगन मंडी में बेचने आया, तो उसी से 125 रुपए वापस मांगे गए।

यानी फसल की कोई कीमत नहीं, बल्कि पैसे किसान के खाते में निकाल दिए। आलू 1-2 रुपए प्रति किलो के भाव से रुल रहा है। चीनी मिलों की चीनी किस भाव बाज़ार में बिकेगी, सरकार यह घोषणा तो तुरंत कर देती है, लेकिन गन्ने का सहयोग मूल्य तय करने में टालमटोल करती रहती है। आखिर देश में किसानों के लिए यह कौन-सी अर्थव्यवस्था है? क्या सरकारें किसानों को खेती से विमुख कर शहरों में मज़दूर बनाने पर आमादा हैं? विश्व बैंक की यही योजना है। आखिर एमएसपी ऐसा क्या मुद्दा है, जो करीब 50 सालों से अनसुलझा रहा है? बार-बार दोहराया जाता रहा है कि सरकार के ही आंकड़े हैं कि किसान की औसत आय 27 रुपए रोज़ाना है। नीति आयोग ने भी लगभग यही माना है। किसी भी देश के लिए यह शर्मनाक और विडंबनापूर्ण स्थिति है। किसान की माहवार औसत आमदनी आज भी 10,000 रुपए से कम है। इस आमदनी में मज़दूरी का मेहनताना भी शामिल है। क्या सरकार को एहसास नहीं होता कि उसी के 'अन्नदाता' के आर्थिक हालात बदतर हैं? प्रधानमंत्री मोदी किसानों की आय दोगुनी करने के वायदे में तो नाकाम रहे हैं। किसानों को दी जाने वाली 6000 रुपए सालाना की सम्मान-राशि उनकी औपचारिक आय का पर्याय या विकल्प नहीं हो सकती। फसल बीमा योजना भी कंपनियों के मुनाफे का बंदोबस्त साबित हुआ है। कमोबेश ऐसा कुछ किया जाना चाहिए, ताकि 'अच्छे दिनों' के उजाले स्पष्ट दिखने लगें। एमएसपी को वैधानिक दर्जा देने और उसके दायरे में अधिकतम फसलों को लाने का फैसला ऐतिहासिक साबित हो सकता है।

व्यंग्य

जय श्री फेसबुक!

डा. ओपी शर्मा

कल मेरे फेसबुकी अखाड़े के खास लिखाड़ी भाई का फोन था। वे अच्छे नहीं, कच्चे राइटर हैं। उनकी नई किताब निकली थी या उन्होंने निकलवाई थी, वही जाने। वैसे आजकल कम ही प्रकाशक किसी की किताब निकालते हैं। उनसे निकलवानी ही पड़ती है। हम दोनों एक जैविक मां के गर्भ से न जन्मे हों तो क्या! फेसबुक मैया के एक ही गर्भ से जन्मे हैं। एक ही मां के गर्भ से जन्मों में आज उतना प्रेम नहीं दिखता जितना फेसबुक मां के गर्भ से जन्मों में दिखता है। व्हाट्सएप मैया के गर्भ से जन्मे रिश्तों में दिखता है। फेसबुकी, व्हाट्सैपीय रिश्ते खून के रिश्तों से भी मजबूत होते हैं भाई साहब! 'राम राम फेसबुकिए भाई!' 'राम राम भाईजान श्री! कैसे हो फेसबुकिया भाई? घर में सब कुशल मंगल तो है न? फेसबुकी दीदी बच्चे कैसे हैं?' 'फेसबुक मां के आशीर्वाद से सब कुशल हैं। बस, हम सब पर फेसबुक मां का निर्बाध आशीर्वाद यों ही बना रहे तो रात के बारह बजे भी दोपहर के बारह बजे ही लगें। यही कामना!' 'तुम्हारा बीपी कैसा है फेसबुकिया भाई आजकल?' 'पहले से ही ठीक था यार! वह तो दो साल से डॉक्टर एक जैसा बीपी बता बेकार में दवाई खिला रहा था।' 'तुम्हें ये सब कैसे पता चला कि।' 'जब दूसरे डॉक्टर के पास बीपी चेक करवाया तो तब पता चला। अच्छा चलो छोड़ो बीपी बुपी। जिंदगी है तो बीपी है।

एक खुशखबरी है तुम्हारे लिए। तुम्हारे फेसबुकिया भाई की नई किताब निकली है', उन्होंने कालजयी होते बताया तो मेरे मुंह का स्वाद कड़वा हुआ। 'बधाई हो। उसमें वही कविताएं है न जिन्हें तुम फेसबुक पर चेपा करते थे।' 'हां! अब सोचा, अपने फेसबुकिया भाइयों को यह तोहफा दे ही दूं। तुम्हें स्पीड पोस्ट कर दी है।' 'फिर तो और भी बधाई हो। कितने में छपी?' 'ठीक ठीक में ही छप गई, प्रकाशक ने ज्यादा नहीं ठगा। पर प्रकाशक ने साफ कह दिया है कि उसे बेचना मुझे ही है। मैं उसे नहीं बेचूंगा तो अगली किताब भी वह मेरे ही पैसे से छापेगा। सो फिलहाल अभी प्रचार के सिलसिले में मैं जानता हूं कि आज का पाठक पैसे देकर किताब कम ही पढ़ता है।' 'तो?' 'तो तुमसे बस अब यही दरख्वास्त है कि ज्यों ही तुम्हें मेरी कालजयी किताब मिले, अपने शहर के सौ दो सौ फेसबुकी मां के गर्भ से जन्मे अपने फेसबुकी भाइयों को भी वह किताब दिखा देना इस आशय के साथ कि मेरी किताब को गोद में ले उसका फोटो वे फेसबुक पर जरूर डालें, कहीं किताब से लड़ते हुए तो कहीं किताब से भिड़ते हुए। और साथ में लिखें- आज के हिंदी के सबसे चर्चित लेखक की किताब पहुंची अमुक भाई की गोद में, अमुक शहर में।' 'तो किताब के प्रसार को लेकर और शहरों की स्थिति क्या है?' 'वैसे तो मैंने देश के लगभग हर राज्य में बैठे अपने फेसबुकी भाइयों को किताब स्पीड पोस्ट कर दी है। उनसे भी तुम्हारी ही तरह उम्मीद नहीं, पूरी उम्मीद है कि वे भी तुम्हारी ही तरह मेरी किताब का अपने अपने फेसबुकी भाइयों के साथ सिंगल फोटो खिचवा फेसबुक मैया के आंचल में समर्पित करेंगे।' 'मतलब?' 'मतलब ये कि इस तरह पूरे देश में ये मैसेज चला जाएगा कि मेरी किताब ने पूरे देश में धमाल मचा रखी है।' 'मतलब?' 'ये कि वक्त प्रसार का नहीं, प्रचार का वक्त है फेसबुकी भाई! योजनाओं से गरीबों के पेट नहीं, योजनाओं के पोस्टरों से शहर-गांव की दीवारें पटने का वक्त है। जो मेरा भी यह प्रयोग सफल हो गया तो मेरा किताब पर निवेश करना सार्थक होगा। तो हां! तो किताब की पावती मेरी किताब के साथ फेसबुक पर तुम्हारी एक मुस्कुराती सी फोटो होनी चाहिए, वह भी किताब पढ़ते हुए गंभीर मुद्रा में। कहीं और से फोन आ रहा है। फिर जल्दी ही मिलते हैं फेसबुक मैया के श्री चरणों में। जय श्री फेसबुक!' 'जय श्री फेसबुक!'

अशोक गौतम

स्वतंत्रता आंदोलन के जन नायक को नमन

> "सन् 1919 में गांधी जी के आन्दोलन से काफी प्रभावित हुए और जलसों में जाने लगे। 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग में नृशंस हत्याएं हुई। 12 साल का बालक अमृतसर जलियांवाला बाग में पहुंच गया। खून से रंगी मु_ी भर मिट्टी शीशी में भरकर घर ले आया, सुरक्षित स्थान पर रख दी और रोज पूजा करने लगा।

23 मार्च 1931 को भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू को फांसी दी गई। इससे पहले सरदार अर्जुन सिंह, माता, पिता, चाची, भाई सब मिलने आए। उन्होंने मां को कहा, 'बेबे जी लाश लेने मत आना।' कहीं आप रो पड़ी तो लोग कहेंगे भगत सिंह की मां रो रही है। फिर उन्होंने एक क्रांतिकारी की जीवनी पढ़ी। सुखदेव, राजगुरू अपनी-अपनी कोठरी से निकल कर आए और तीनों फांसी के तख्ते की ओर बढ़ गए। तीनों गले मिले और फांसी के तख्ते पर चढ़ गए। निर्जीव शरीरों को बोरियों में भरा गया व सतलुज नदी के किनारे मिट्टी का तेल छिडक़ आग लगा दी। अस्थियां नदी में बहा दी। सुबह जनता को इस घटना का पता लगा। वे सतलुज नदी के तट पर पहुंचे, किन्तु कुछ शेष न था। सतलुज की नहरें उठती-गिरती मानों शहीदों की गौरव गाथा गा रही थीं: 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले/वतन पे मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा'।

महान क्रांतिकारी देशभक्त भगत सिंह स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक का जन्म 28 सितम्बर, 1907 को बंगा गांव लायलपुर पंजाब में हुआ। उस समय उनके पिता किशन सिंह और ताऊ व चाचा स्वतंत्रता आन्दोलन में संलिप्त होने के कारण जेलों में बन्द थे। उसी दिन वे जेल से मुक्त होकर आए। अतः दादी ने बालक का नाम भाग्यवान भगत सिंह रख दिया। दादी का कहना था आज इस भाग्यवान ने इस परिवार को आजाद कराया है, आगे देश को आजाद कराएगा। परिवार आर्य समाजी था, इसलिए वैदिक परिवेश में लालन-पालन व प्रारम्भिक शिक्षा हुई। फिर डी.ए.वी. स्कूल में पढऩे हेतु प्रवेश लिया। एक दिन अपने खिलौने पिस्तौल को आंगन में गाढ़ रहे थे तो यह पूछने पर कि क्या कर रहे हो तो कहा बन्दूक का पेड़ लगा रहा हूं। इस पर जब बहुत सी बन्दूकें आएंगी तो साथियों को बांट दूंगा और अंग्रेजों को भगाकर देश को आजाद कराऊंगा।

सन् 1919 में गांधी जी के आन्दोलन से काफी प्रभावित हुए और जलसों में जाने लगे। 13 अप्रैल, 1919 को जलियांवाला बाग में नृशंस हत्याएं हुई। 12 साल का बालक अमृतसर जलियांवाला बाग में पहुंच गया। खून से रंगी मु_ी भर मिट्टी शीशी में भरकर घर ले आया, सुरक्षित स्थान पर रख दी और रोज पूजा करने लगा। सन् 1921 में महात्मा गांधी जी द्वारा संचालित असहयोग आन्दोलन में कूद पड़ा। चौरा-चोरी की घटना से प्रभावित होकर पढ़ाई के लिए डी.ए.वी. कॉलेज लाहौर में प्रवेश ले लिया। लाहौर क्रांतिकारी गतिविधियों का केन्द्र था। दादी अपने पौत्र का विवाह शीघ्र करना चाहती थी। सगाई की तिथि निश्चित होते ही वह घर से भाग गए।

उनका सम्पर्क चन्द्रशेखर आजाद तथा वाटुकेश्वर दत्त से हुआ। लाहौर नैशनल कॉलेज में उनका सम्पर्क यशपाल, सुखदेव, राजगुरू से हो चुका था। वे कलकत्ता गए और बम बनाने का कार्य करते रहे। वर्ष 1928 में नौजवान भारत सभा का गठन किया। सन् 1928 में साईमन कमीशन भारत आया। उसका सब जगह विरोध हुआ। लाहौर में विरोध का नेतृत्व लाला लाजपत राय ने किया। सांडर्स ने लाठीचार्ज किया। लाला जी घायल हो गए व 17 नवम्बर 1928 को शहीद हो गए। भगत सिंह ने इस मौत का बदला लेने की ठानी। भगत सिंह, राजगुरू, जय गोपाल व चन्द्रशेखर आजाद पुलिस दफ्तर पर पहुंच गए और सांडर्स को आते ही गोलियों से भून दिया। सारे शहर में पुलिस तैनात कर दी गई, भगत सिंह भेष बदल कर अंग्रेज सूट, टाई, सिगार सहित मेम व नौकर के साथ ट्रेन में सवार हो गए और दूर कलकत्ता पहुंच गए।

असैंबली में ट्रेड डिस्प्यूट बिल पास होना था। योजना बनाई कि विरोध किया जाए। 18 अप्रैल, 1929 को असैम्बली में बम फैंका। बाटुकेश्वर दत्त ने भी बम फैंका व दोनों ने ऊपर की ओर गोलियां चलाई और नारा बोला 'इंकलाब जिन्दाबाद!' रिवालवर फैंककर स्वयं को गिरफ्तार कराया। पुलिस की गाड़ी में बैठते हुए भी इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाए। 4 जून, 1929 को अदालत लगी। उन्होंने बयान दिया कि बम फैंकने का उद्देश्य सरकार के कान, आंख खोलना था। किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं। जेल में क्रांतिकारियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं होता था। अतः भूख हड़ताल की गई। भगत सिंह ने अदालत का बहिष्कार कर दिया। एक पक्षीय फैसला हो गया, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू को फांसी की सजा दी गई। भगत सिंह ने कहा था मेरी यह शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी।

23 मार्च 1931 को भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू को फांसी दी गई। इससे पहले सरदार अर्जुन सिंह, माता, पिता, चाची, भाई सब मिलने आए। उन्होंने मां को कहा, 'बेबे जी लाश लेने मत आना।' कहीं आप रो पड़ी तो लोग कहेंगे भगत सिंह की मां रो रही है। फिर उन्होंने एक क्रांतिकारी की जीवनी पढ़ी। सुखदेव, राजगुरू अपनी-अपनी कोठरी से निकल कर आए और तीनों फांसी के तख्ते की ओर बढ़ गए। तीनों गले मिले और फांसी के तख्ते पर चढ़ गए। निर्जीव शरीरों को बोरियों में भरा गया व सतलुज नदी के किनारे मिट्टी का तेल छिडक़ आग लगा दी। अस्थियां नदी में बहा दी। सुबह जनता को इस घटना का पता लगा। वे सतलुज नदी के तट पर पहुंचे, किन्तु कुछ शेष न था। सतलुज की नहरें उठती-गिरती मानों शहीदों की गौरव गाथा गा रही थीं: शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले वतन पे मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा। असंख्य लोगों का मानना है कि अगर सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव जैसे क्रांतिकारी देशभक्त न होते, तो अंग्रेज कभी भी भारत को आजाद नहीं करते। क्रांतिकारियों से डरकर ही अंग्रेजों ने भारत को आजाद किया। शहीदी दिवस पर क्रांतिकारियों को पूरा देश नमन करता है।

चिंतन विचार

पानी की गुणवत्ता और संरक्षण का मसला

पारंपरिक पानी के स्त्रोत हिमाचल में पानी की मांग और पूर्ति के संतुलन में महत्त्वपूर्ण रोल अदा करते थे जो नल की संस्कृति ने खत्म कर दिए हैं। गरीब और कमजोर वर्ग के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हैं'

जल को प्रायः जीवन का टॉनिक कहा गया है। इसमें ऐसे अवयव होते हैं जो मानव के लिए बहुत जरूरी होते हैं। मनुष्य के लिए जल के उपलब्ध स्रोतों में से 2.5 प्रतिशत मीठा पानी ही इस भूमि पर है जिसमें से 1 प्रतिशत ही मानव जाति के लिए उपलब्ध है। अधिकतम मात्रा ग्लेशियरों तथा बर्फ की चोटियों में जमा है। झीलें, नदियां और सप्रिंग ही धरातलीय जल संसाधन हैं जिनसे मानव के उपयोग के लिए मीठा पानी मिलता है। इनमें से झीलें चाहे वो प्राकृतिक हों या मनुष्य द्वारा निर्मित हैं, मुख्य पानी के साधन हैं। मानवता का सामाजिक और आर्थिक विकास पानी पर बहुत अधिक निर्भर करता है। पीने का पानी मानव कल्याण के लिए आवश्यक है। साथ-साथ निर्वाह का एक बुनियादी साधन है। इसके बिना पोषण, वायु और मानव जाति का कल्याण करना असंभव होता है। मीठा पानी ग्रह के कुल पानी का छोटा सा अंश ही मानव उपयोग के लिए उपयुक्त है। यह आपूर्ति अपेक्षाकृत स्थिर रही है, लेकिन बढ़ती मानव आबादी ने मांग बढ़ा दी है और प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है। पानी की कमी एक वास्तविक समस्या है। अगर पानी का बुद्धिमता से उपयोग नहीं किया गया तो भविष्य में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। धरती पर बहुत से पानी के स्त्रोत हैं परंतु वो सभी पीने के योग्य नहीं हैं।

उपलब्ध पानी की गुणवत्ता प्रकृति तथा भिन्न-भिन्न मानव जनित कारकों जैसे निर्माण, कूड़ा निपटान, डंपिंग, कृषि तथा अन्य गतिविधियों से प्रभावित होती है। समय की जरूरत है कि पानी की गुणवत्ता को सुधारा जाए और पानी के स्त्रोतों के प्रदूषण के कारकों को पहचान करके उनको दूर करने के तरीकों को अपना करके मानव जाति के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शुद्ध जल उपलब्ध कराया जाए। जो जल के स्रोत प्रदूषण के कारण उपयोग में नहीं हैं, उनको प्रदूषण रहित करके पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता दोनों को बढ़ाया जा सकता है। जो पानी जमीन में रिस कर आता है, उसमें कई घुलनशील व अघुलनशील पदार्थ होते हैं जो पानी की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं तथा पानी को पीने के अयोग्य कर देते हैं। इससे पानी की आपूर्ति तथा मांग में असंतुलन पैदा हो जाता है। इस जल को नई तकनीकों से छानकर तथा पानी की प्रयोगशालाएं जांच करने के बाद जनता को पानी की आपूर्ति करनी चाहिए।

भारत में पानी की प्रयोगशालाएं नाममात्र की हैं। जल जनित रोग, पानी में खेतों से रसायन, उद्योगों से खतरनाक रसायन, प्लास्टिक, कचरे के निपटान को जल स्त्रोतों में करने से उत्पन्न होते हैं जिसके बारे में हम हर दिन अखबारों में पढ़ते हैं कि पीलिया रोग के कारण शहर व गांव प्रभावित हैं तथा अन्य जल जनित रोगों से बहुत से शहर और गांव आमतौर पर प्रभावित होते रहते हैं। इससे विश्व स्तर पर हर वर्ष 1863 मिलियन दिन बच्चों के स्कूल की अनुपस्थिति के, जल जनित रोगों के कारण होते हैं तथा 1.5 बिलियन लोग जल जनित रोगों से ग्रसित होते हैं। प्राकृतिक झीलों का प्राकृतिक प्रवाह जिससे वे खुद साफ हो जाती हैं, मनुष्य की गतिविधियों से प्रभावित या अवरुद्ध हुआ है तथा बहुत से भारी धातु तथा पोषक तत्व जमा हो जाते हैं। जल विभाग को इनका प्रयोगशालाओं में सही मूल्यांकन तथा उपचार करके ही पानी को जनता के उपयोग के लिए वितरित करना चाहिए। भारत में पानी के विभिन्न स्त्रोतों के प्रबंधन के लिए बहुत से विभाग हैं जैसे पर्यावरण और वन मंत्रालय, जल शक्ति विभाग, जल संसाधन विभाग, केंद्रीय व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और सरकार द्वारा बनाई गई नीतियां और नियम जिनके अनुसार जल प्रबंधन किया जाता है तथा प्रदूषण का नियंत्रण किया जाता है। परंतु पानी में प्रदूषण की मात्रा दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है जो जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ है। हिमाचल प्रदेश के संदर्भ में जल के संरक्षण एवं गुणवत्ता की स्थिति के बारे में लिखें तो यह संतोषजनक नहीं है। हिमाचल में विशाल जल स्त्रोत ग्लेशियरों के रूप में उपलब्ध हैं, परंतु भूजल के स्त्रोत सीमित मात्रा में हैं। हिमाचल में पानी का उपभोग मनुष्य और सिंचाई के लिए है। पानी की उपलब्धता हिमाचल में 800 ग्लेशियरों से होती है। हिमाचल में भूजल स्त्रोत हैं, नदियां, झीलें, आर्द्रभूमि क्षेत्र आदि। कांगड़ा, ऊना, बिलासपुर, मंडी, सोलन और सिरमौर आदि के घाटी क्षेत्र भूजल पर निर्भर हैं जिसका दोहन खुले कुओं, ट्यूबवेल, इनफिल्ट्रेशन गैलरी द्वारा किया जाता है।

पारंपरिक पानी के स्त्रोत हिमाचल में पानी की मांग और पूर्ति के संतुलन में महत्वपूर्ण रोल अदा करते थे जो नल की संस्कृति ने खत्म कर दिए हैं। गरीब और कमजोर वर्ग के लोग इससे ज्यादा प्रभावित हैं। इन पारंपरिक स्रोतों में झरने, कूहलें, बावड़ी, तालाब व खाती आदि हैं। यह पारंपरिक स्रोत पानी की मांग को शहर और गांव में पूरा करने में सहायता करते थे। इन पारंपरिक प्राकृतिक जल स्त्रोतों की संख्या 10512 गांवों के क्षेत्र में है। इन पारंपरिक स्रोतों का प्रयोग लोग

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम, जानें आपके शहर की कीमतें

तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है।

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने तेल के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। आज दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

जानें प्रमुख महानगरों में कितनी है कीमत

आज दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं।

शहर	डीजल	पेट्रोल
दिल्ली	89.62	96.72
मुंबई	94.27	106.31
कोलकाता		92.76
		106.03
चेन्नई	94.24	102.63

(पेट्रोल-डीजल की कीमत रुपये प्रति लीटर में है।)

जानिए आपके शहर में कितना है दाम

पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जाकर आपको RSP और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा।

बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है।

इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती पर तेज रहेगी भारत की वृद्धि, आरबीआई ने कहा- दूसरी तिमाही से बढ़ी रफ्तार

देश की जीडीपी के बारे में अनुमान है कि यह 2023-24 में 6 से 6.5 फीसदी के बीच रह सकती है।

परिवहन विशेष न्यूज

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भले ही धीमापन रहे, लेकिन भारत वित्त वर्ष 2022-23 में विकास की तेज गति को बनाए रखेगा। आरबीआई के एक लेख में कहा गया है कि हम भारत के बारे में आशावादी बने हुए हैं, भले ही कितनी भी कठिनाइयां हों।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के फरवरी में जारी आंकड़ों से संकेत मिलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के कई हिस्सों की तुलना में एक चुनौतीपूर्ण वर्ष की ओर बढ़ने के लिए आंतरिक रूप से बेहतर स्थिति में है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा के नेतृत्व वाली टीम ने लिखा है कि यहां तक कि जब 2023 में वैश्विक विकास धीमा होने या मंदी में प्रवेश करने के लिए तैयार है, भारत महामारी के बाद भी अधिक मजबूत होकर उभरा है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के बाद से गति में लगातार वृद्धि हुई है।

170.9 लाख करोड़ की हो सकती है जीडीपी

देश की जीडीपी के बारे में अनुमान है कि यह 2023-24 में 6 से 6.5 फीसदी के बीच रह सकती है। देश की वास्तविक जीडीपी 2022-23 में 159.7 लाख करोड़ से बढ़कर 2023-24 में 170.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जबकि वर्तमान अनुमान 169.7 लाख करोड़ का है। केंद्रीय बैंक ने कहा, लेख में जो भी बातें कही गई हैं, वे लेखकों के अपने विचार हैं। यह आरबीआई का विचार नहीं है।

एक अप्रैल से 5 फीसदी महंगे होंगे टाटा मोटर्स के वाहन

टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहन एक अप्रैल, 2023 से 5 फीसदी महंगे हो जाएंगे। इसके साथ ही यह कंपनी की ओर से चालू वित्त वर्ष में चौथी बढ़ोतरी है। टाटा मोटर्स ने मंगलवार को कहा, दाम बढ़ाने का निर्णय कंपनी की ओर से बीएस-6 के दूसरे चरण के और अधिक कड़े उत्सर्जन मानदंडों का पालन करने के प्रयासों का नतीजा है। टाटा मोटर्स इन मानकों को पूरा करने के लिए पूरे वाहन पोर्टफोलियो में बदलाव कर रही है, इसलिए ग्राहक स्वच्छ, हरित व तकनीकी रूप से बेहतर पेशकशों की उम्मीद कर सकते हैं।

इनसाइड

सोने में 380 रुपये का उछाल, चांदी की कीमतों में 90 रुपये की गिरावट दर्ज की गई

नई दिल्ली। विदेशों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इस दौरान चांदी की कीमतें 90 रुपये गिरकर 66,535 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। विदेशों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 57,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी की कीमतें 90 रुपये गिरकर 66,535 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का हाजिर भाव 380 रुपये की तेजी के साथ 57,450 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। विदेशी बाजारों में सोना तेजी के साथ 1,922 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 21.61 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। गांधी के अनुसार स्विस बैंक क्रेडिट सुइस की परेशानी बढ़ने से दुनियाभर में बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी चिंता बढ़ने और निवेशकों के सुरक्षित निवेश की ओर रुख करने से गुरुवार को एशियाई कारोबारी घंटों में कॉमेक्स सोने की कीमतों में मामूली तेजी आई।

बाजार में कमजोरी बरकरार, सेंसेक्स 100 अंक टूटा, निफ्टी 16950 के नीचे पहुंचा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को लाल निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। फिलहाल सेंसेक्स 119.31 (-0.21%) अंकों की गिरावट के साथ 57,436.59 अंकों के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है वहीं निफ्टी 53.10 (-0.31%) अंक टूटकर 16,919.05 अंकों के लेवल पर ट्रेड कर रहा है। शुरुआती कारोबार में हिंडाल्को के शेयरों में 3 प्रतिशत जबकि टाटा स्टील के शेयरों में 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। डॉलर के मुकाबलये रुपया 11 पैसे की गिरावट के साथ 82.76 रुपये के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है।

31 मार्च तक खुले रहेंगे सभी बैंक, समय से पहले ये काम जरूर निपटा लें नहीं तो पड़ जाएंगे मुश्किल में

आरबीआई ने कहा, '31 मार्च को वित्तीय वर्ष 2022-23 खत्म हो रहा है। सरकार से जुड़े सभी लेन-देन इस तारीख तक पूरे हो जाने चाहिए। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (NEFT) और रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) सिस्टम के जरिए होने वाले लेन-देन 31 मार्च की रात 12 बजे तक जारी रहेंगे।'

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने 31 मार्च तक बैंकों को अपनी सभी ब्रांच खोले रखने का आदेश दिया है। रविवार को भी बैंक से जुड़े काम निपटाए जा सकते हैं। हालांकि, 31 मार्च के बाद यानी अप्रैल की पहली और दूसरी तारीख को बैंक जरूर बंद रहेंगे। मतलब अप्रैल में लगातार दो दिन बैक में कोई कामकाज नहीं होगा। इसके अलावा भी अप्रैल में बैंकों की पांच छुट्टियां होंगी।

आरबीआई ने कहा, '31 मार्च को वित्तीय वर्ष 2022-23 खत्म हो रहा है। सरकार से जुड़े सभी लेन-देन इस तारीख तक पूरे हो जाने चाहिए। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (NEFT) और रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) सिस्टम के जरिए होने वाले लेन-देन 31 मार्च की रात 12 बजे तक जारी रहेंगे।'

अप्रैल में कब-कब होगी बैंक की छुट्टी?

आरबीआई के जारी आदेश के अनुसार, 'सरकारी चेक के कलेक्शन के लिए स्पेशल क्लियरिंग कंडक्ट किए जाएंगे, जिसके लिए डिपार्टमेंट ऑफ पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स (DPSS) जरूरी निर्देश जारी करेगा। DPSS भी आरबीआई के तहत आता है। सेंट्रल एंड स्टेट गवर्नमेंट के लेनदेन की रिपोर्टिंग के लिए रिपोर्टिंग विंडो 31 मार्च से एक अप्रैल को दोपहर तक खोले रखे जाएंगे'

अप्रैल में कब-कब होगी बैंक की छुट्टी?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक और दो अप्रैल को आरबीआई की तरफ से बैंकों को छुट्टी दी गई है। इसके बाद चार अप्रैल को महावीर जयंती, सात अप्रैल को गुड फ्राइडे, आठ अप्रैल को सेकेंड सेटेरडे, 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर जयंती, 22 अप्रैल को ईद की छुट्टी रहेगी।

31 मार्च से पहले ये काम जरूर निपटा लें

अगर आपने अभी तक अपने पैन को आधार से लिंक नहीं कराया हो तो 31 मार्च 2023 तक करा लें। ऐसा नहीं करने पर आपका पैन इनएक्टिव हो जाएगा। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) 30 जून 2022 के बाद से पैन को आधार से लिंक कराने के लिए 1000 रुपए की लेट फीस वसूल रहा है।

अगर आपका PPF और सुकन्या समृद्धि योजना अकाउंट है, लेकिन इस वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए, तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए इनमें 31 मार्च तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। ऐसा नहीं होने पर ये बंद हो सकते हैं।

अधिक पेंशन का विकल्प चुनने की समयसीमा बढ़ी, अब इस तारीख तक कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली। ईपीएफओ ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'जो कर्मचारी एक सितंबर 2014 से पहले सेवा में थे और एक सितंबर 2014 को या उसके बाद सेवा में बने रहे, लेकिन कर्मचारी पेंशन योजना के तहत संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल नहीं कर सके हैं वे अब 3 मई 2023 को या उससे पहले ऐसा कर सकते हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अंशधारकों के लिए उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के लिए 3 मई की समयसीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने 4 नवंबर को उन कर्मचारियों को एक और बदलाव की अनुमति दी थी जो 1 सितंबर 2024 तक मौजूदा ईपीएस सदस्य रहेंगे। वे पेंशन के लिए अपने वास्तविक वेतन का 8.33 प्रतिशत तक योगदान कर सकते हैं यदि पेंशन योग्य वेतन का 8.33 प्रतिशत प्रति माह 15,000 रुपये प्रति माह है।

शीर्ष अदालत ने उच्च पेंशन का विकल्प चुनने के लिए चार महीने का समय दिया था। यह समय सीमा 3 मार्च, 2023 के को समाप्त होनी थी। लेकिन ईपीएफओ ने पिछले सप्ताह ही कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत उच्च पेंशन का विकल्प चुनने की प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद आशंका जताई जा रही थी कि ईपीएफओ ने इस मामले में फैसला लेने में देरी कर दी है ऐसे में इसकी समयसीमा बढ़ाई जा सकती है।

ईपीएफओ ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'जो कर्मचारी एक सितंबर 2014 से पहले सेवा में थे और एक सितंबर 2014 को या उसके बाद सेवा में बने रहे, लेकिन कर्मचारी पेंशन योजना के

तहत संयुक्त विकल्प का इस्तेमाल नहीं कर सके हैं वे अब 3 मई 2023 को या उससे पहले ऐसा कर सकते हैं। वर्तमान में, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों कर्मचारी के मूल वेतन, महंगाई भत्ते और रिटेनिंग भत्ते, यदि कोई हो, का 12 प्रतिशत कर्मचारी भविष्य निधि या ईपीएफ में योगदान करते हैं। कर्मचारी का पूरा योगदान ईपीएफ में जाता है, जबकि नियोक्ता द्वारा 12 प्रतिशत योगदान ईपीएफ में 3.67 प्रतिशत और ईपीएस में 8.33 प्रतिशत के रूप में विभाजित किया जाता है।

भारत सरकार एक कर्मचारी की पेंशन में 1.16 प्रतिशत का योगदान करती है, जबकि कर्मचारी पेंशन योजना में योगदान नहीं करते हैं। ईपीएफओ ने कहा, 'ज्वाइंट ऑप्शन फाइल करने के लिए ऑनलाइन सुविधा जल्द ही आ रही है। इससे पहले, ऐसी आशंकाएं थीं कि 3 मार्च, 2023 उच्च पेंशन का विकल्प चुनने की अंतिम तिथि है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने अदाणी को पहुंचाया नुकसान

रोकना पड़ा 34,900 करोड़ रुपये का पेट्रोकेम प्रोजेक्ट

मीडिया रिपोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से ये खबर दी है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

नई दिल्ली। अमेरिकन शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से अभी भी अदाणी को नुकसान हो रहा है। अदाणी के शेयरों और संपत्ति में भारी गिरावट के बाद अब अदाणी को एक और बड़ा नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अदाणी ने 34,900 करोड़ रुपये के पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट पर काम को रोक दिया है। इस प्रोजेक्ट पर गुजरात के मुंद्रा में काम हो रहा था।

मीडिया रिपोर्ट्स ने सूत्रों के हवाले से ये खबर दी है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने साल 2021 में गुजरात के कच्छ में अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन भूमि पर कोल टू पीवीसी प्लांट स्थापित करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड को इनकॉरपोरेट किया था।

क्यों रोकना पड़ा काम?

बताया जाता है कि 24 जनवरी को जैसे ही हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट आई तो माहौल एकदम से बदल गया। रिपोर्ट में अकाउंटिंग फ्रॉड, स्टॉक मैनिपुलेशन और दूसरे कॉरपोरेट गवर्नेंस खामियों के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद अदाणी ग्रुप की कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू 140 अरब डॉलर गिर गई थीं। सेब से लेकर एयरपोर्ट तक के कारोबार में शामिल यह ग्रुप अब निवेशकों का भरोसा फिर से जीतने के प्रयासों में लगा है। ऐसे में ग्रुप की विस्तार योजनाओं को झटका लगा है। बताया जा रहा है कि अदाणी फिलहाल कपना सारा कर्ज चुकाने और शेयर धारकों पर विश्वास बढ़ाने पर काम कर रहे हैं।

क्या है अदाणी ग्रुप की रणनीति?

रिपोर्ट्स के अनुसार, अदाणी ग्रुप की कमबैक स्ट्रेटेजी निवेशकों की कर्ज से जुड़ी चिंताओं को दूर करने पर आधारित है। ग्रुप कुछ लोन्स का पेमेंट करके और परिचालन को मजबूत करके आरोपों से लड़ने का काम कर रहा है। ग्रुप ने हिंडनबर्ग द्वारा लगाए सभी आरोपों को सिरे से नकारा है। अदाणी ग्रुप कैश फ्लो और उपलब्ध फाइनेंस के आधार पर अपने प्रोजेक्ट्स का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है।

इसके अलावा अदाणी समूह ने सात हजार करोड़ रुपये के कोयला संयंत्र की खरीद को भी रद्द कर दिया है और खर्चों को बचाने के लिए बिजली व्यापारी पीटीसी में हिस्सेदारी के लिए बोली लगाने की योजना को स्थगित कर दिया है। इसने समूह की कंपनियों में प्रवर्तक की हिस्सेदारी गिरवी रखकर जुटाए गए कुछ कर्ज का भुगतान कर दिया है और कुछ वित्त का पूर्व भुगतान कर दिया है। मामले से जुड़े दो सूत्रों ने बताया कि जिन प्रोजेक्ट्स पर ग्रुप ने कुछ समय के लिए आगे नहीं बढ़ने का फैसला लिया है, उनमें एक मिलियन टन सालाना ग्रीन पीवीसी प्रोजेक्ट भी शामिल है। ग्रुप ने वेंडर्स और सप्लायर्स को तत्काल आधार पर सभी एक्टिविटीज को रोकने के लिए मेल भेज दिया है। मेल में ग्रुप ने मुंद्रा पेट्रोकेम लिमिटेड के ग्रीन पीवीसी प्रोजेक्ट के लिए अगले नोटिस तक सभी एक्टिविटीज को रोकने को कहा है।पीवीसी प्लास्टिक का दुनिया का तीसरा सबसे व्यापक रूप से उत्पादित सिंथेटिक बहुलक है। इसका व्यापक उपयोग होता है। फर्श से लेकर, सीवेज पाइप बनाने और अन्य पाइप अनुप्रयोगों में, बिजली के तारों पर इन्सुलेशन, पैकेजिंग और एप्रन आदि के निर्माण में। यही कारण है कि अदाणी ग्रुप ने इसको लेकर परियोजना की योजना बनाई थी। भारत में लगभग 3.5 एमटीपीए की पीवीसी मांग साल-दर-साल सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। 1.4 मिलियन टन पीवीसी के लगभग स्थिर घरेलू उत्पादन के साथ, भारत मांग के साथ तालमेल रखने के लिए आयात पर निर्भर है।

नवरात्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी ने शक्ति उपासना कर गायों को खिलाया गुड़

चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुलसीपुर में देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने नवरात्र के प्रथम दिवस पर मां शैलपुत्री से सुखी, स्वस्थ व प्रसन्नचित्त उत्तर प्रदेश की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री गोशाला गए, जहां उन्होंने गायों को गुड़ खिलाया। मंदिर परिसर में मिले बच्चों से सीएम ने बात की और चॉकलेट बांटी।

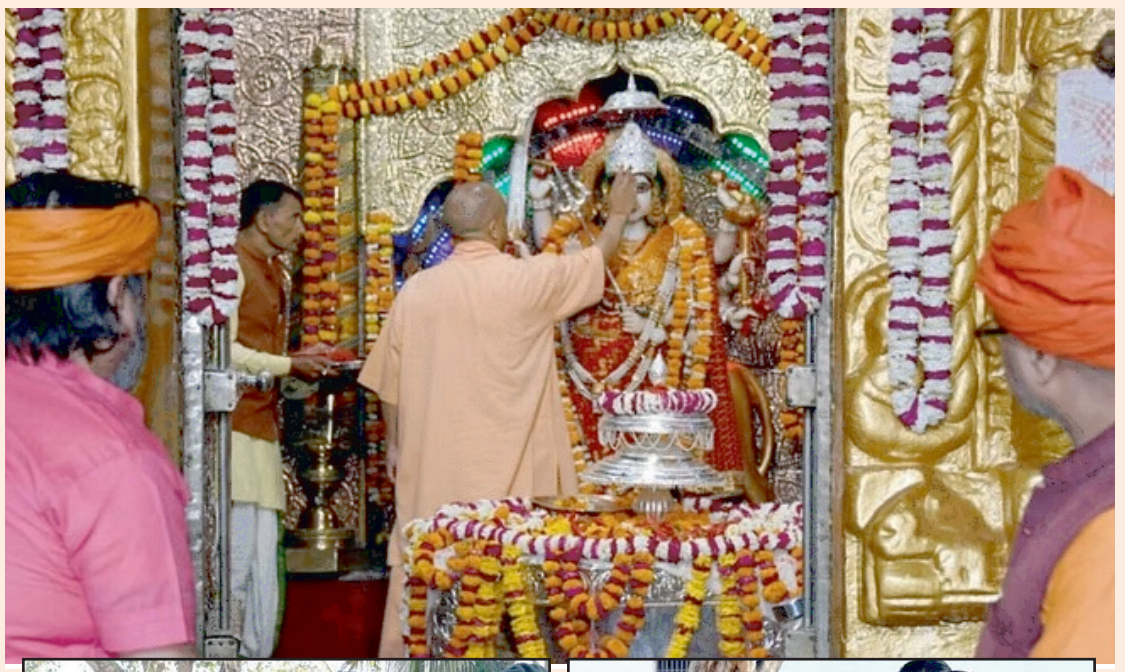

मुख्यमंत्री योगी ने पांच दिन के भीतर प्रदेश के कई जनपदों का दौरा कर विकास कार्यों का जायजा लिया। यहां उन्होंने ईश्वर के चरणों में शीश भी झुकाया। शनिवार को मुख्यमंत्री ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ व बाबा काल भैरव के दर्शन किए। रविवार को अयोध्या दौरे पर गए योगी ने रामलला और हनुमानगढ़ी में पूजन-अर्चन किया और बुधवार को तुलसीपुर में मां पाटेश्वरी के दरबार में हाजिरी लगाई।

मुख्यमंत्री ने योगी ने प्रदेश के लोगों को नवरात्र व हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विक्रम संवत 2080 प्रदेश की जनता के जीवन में खुशहाली लेकर आये। यही कामना है।

मुख्यमंत्री योगी ने इस दौरान बच्चों को भी दुलार किया और उन्हें बिस्किट और चॉकलेट भी बांटे।

अब अमृतपाल के समर्थन में आया खालिस्तान समर्थक पन्नू, दी Delhi-NCR में 'अंधेरा' करने की धमकी

'सिख फॉर जस्टिस' संगठन प्रमुख पन्नू ने अपने मैसेज में कहा है कि अगर केंद्र सरकार, अमृतपाल सिंह को लेकर पंजाब में कोई गलत कदम उठाती है या बेवजह हस्तक्षेप करती है, तो उसके लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री जिम्मेदार होंगे...

नई दिल्ली। विदेश से पंजाब में खालिस्तान की मुहिम छेड़ने वाला गुरपतवंत सिंह पन्नू, जिसे केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आतंकी घोषित किया गया है, अब वह अमृतपाल सिंह के समर्थन में उतर आया है। बुधवार को उसने मीडिया कर्मियों के फोन पर भेजे एक ऑडियो मैसेज में पंजाब और अमृतपाल सिंह के मसले को लेकर प्रधानमंत्री मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चेतावनी दे डाली है। खुद को 'सिख फॉर जस्टिस' संगठन का प्रमुख और लीगल एडवाइजर बताने वाले पन्नू ने अपने मैसेज में कहा है कि अगर केंद्र सरकार, अमृतपाल सिंह को लेकर पंजाब में कोई गलत कदम उठाती है या बेवजह हस्तक्षेप करती है, तो उसके लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री जिम्मेदार होंगे। साथ ही, उसने दिल्ली में 'अंधेरा' करने की चेतावनी दी है। पन्नू ने कहा, दिल्ली के पावर हाउस बंद कर दिए जाएंगे।

यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित

इससे पहले भी कई बार पन्नू, केंद्रीय नेताओं को धमकी दे चुका है। किसान आंदोलन के दौरान भी उसने ऐसे कई मैसेज जारी किए थे। उसके बाद पंजाब में हुई कुछ हिंसक वारदातों की जिम्मेदारी भी पन्नू के संगठन ने ली थी। पंजाब में जी20 के प्रतिनिधिमंडल को लेकर भी खालिस्तान समर्थक पन्नू, चेतावनी जारी कर चुका है। पन्नू पर पंजाब में ही करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। उस पर राजद्रोह तक के आरोप लग चुके हैं। पंजाब पुलिस, कनाडा में रह रहे पन्नू के आत्मसमर्पण के लिए प्रयासरत है। इस बाबत केंद्र के साथ मिलकर कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पन्नू की राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के मद्देनजर 1 जुलाई 2020 से संशोधित यूएपीए के तहत उसे आतंकवादी घोषित कर रखा है।

किसान आंदोलन में उसने लालकिले की प्राचीर पर खालिस्तान का झंडा फहराने वाले को बड़ा ईनाम देने की घोषणा की थी...

गत वर्ष गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में जब सीबीआई आगे बढ़ने का प्रयास कर रही थी, तो इंटरपोल ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था। भारत सरकार की ओर से पन्नू के खिलाफ दूसरी बार इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की अपील की गई थी। इंटरपोल ने यह नोटिस जारी नहीं करने के पीछे एक वजह बताई थी। उसमें कहा गया था कि भारतीय जांच एजेंसियों के पास पन्नू के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। इसके चलते भारत की अपील को खारिज कर दिया गया। इंटरपोल की ओर से पन्नू को यूएपीए के तहत आतंकी घोषित करने पर भी सवाल उठे थे। अंतरराष्ट्रीय पुलिस संगठन ने पन्नू की गतिविधियों को महज राजनीति से प्रेरित बताया था। पंजाब पुलिस ने 18 मार्च से अमृतपाल सिंह को पकड़ने के लिए अभियान शुरु कर रखा है। अभी तक वह पुलिस के हाथ नहीं लग सका है। वह बहुत करीब से पुलिस को चकमा देकर भाग निकला। गुरपतवंत सिंह पन्नू और अमृतपाल सिंह, दोनों का मकसद 'खालिस्तान' की मांग को आगे बढ़ाना है। सिख प्रचारक एवं जरनैल सिंह भिंडरांवाले का समर्थक, अमृतपाल सिंह ने कहा था कि वह हर उस इंसान के साथ है, जो खालिस्तान का समर्थन करता है।

इस बार गर्मी में हो सकती है दिक्कत, देश में बिजली कटौती से निपटने के लिए तैयार हुआ ये प्लान

जानकारी के मुताबिक, गर्मी के दिनों में किसी भी प्रकार के संकट से निपटने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। विद्युत अधिनियम का हवाला देकर सभी पारंपरिक थर्मल पावर प्लांट्स के मेंटेनेंस का काम अगले तीन माह तक टालने का निर्देश दिया गया है...

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में अभी मौसम खुशनुमा बना हुआ है। जबकि कुछ हिस्सों में गर्मी ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिया हैं। आने वाले वक्त में गर्मी बढ़ने के साथ साथ बिजली खपत में भी बढ़ोतरी होने का अनुमान है। इसे लेकर बिजली उत्पादन की पर्याप्त क्षमता और उसके मैनेजमेंट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। लेकिन इसी बीच नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर ने भी अनुमान जताया है कि आने वाले अप्रैल माह से ही बिजली की गंभीर कमी से जूझना पड़ सकता है।

इस वर्ष बिजली की अनुमानित पीक डिमांड में आठ फीसदी ज्यादा बढ़ोतरी रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है। इस साल देश में बिजली की अनुमानित पीक डिमांड 230 गीगावाट में बढ़ोत्तरी रिकॉर्ड होने के अनुमान है। इसी चलते अभी से समर एक्शन प्लान पर काम शुरू हो गया है। भारत के बिजली ग्रिड भी गर्मी के संकट से निपटने की तैयारी में जुट गए हैं। ग्रिड सिस्टम ऑपरेटर अप्रैल में 18 अलर्ट डेज पर काम करने की तैयारी में हैं। पिछले साल जुलाई में 211.6 गीगावाट सर्वाधिक मांग दर्ज की गई थी। लेकिन इस साल पीक डिमांड 230 गीगावाट होने का अनुमान जताया गया है।

जानकारी के मुताबिक, गर्मी के दिनों में किसी भी प्रकार के संकट से निपटने के लिए बड़े स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। विद्युत अधिनियम का हवाला देकर सभी पारंपरिक थर्मल पावर प्लांट्स के मेंटेनेंस का काम अगले तीन माह तक टालने का निर्देश दिया गया है। वहीं, इन प्लांट्स को 16 मार्च से 30 जून तक फुल कैपेसिटी के साथ बिजली का उत्पादन करने के आदेश दिए गए हैं।

इधर, एनटीपीसी ने भी अपने प्लांट्स के लिए आदेश जारी कर दिए हैं। इसके अलावा राज्य के स्वामित्व वाली एनटीपीसी लिमिटेड के करीब 5000 मेगावाट गैस आधारित उत्पादन (1ए000 मेगावाट एक गीगावॉट) के बराबर है, को चालू करने के आदेश जारी किए गए हैं। इन स्टेशनों से उत्पन्न बिजली पीपीए धारकों को बेची जानी है। जबकि बाकी उत्पादित बिजली को मार्केट में बेचा जा सकेगा।

दक्षिण के मुकाबले उत्तरी क्षेत्र में जलाशय स्तर अच्छा है। दक्षिण में जल विद्युत उत्पादन अपेक्षित स्तर से नीचे रहने की संभावना है। इसके लिए दक्षिण क्षेत्र में अप्रैल माह में शाम के वक्त बिजली के उत्पादन पर बल देने का निर्देश दिया गया है। घरेलू आपूर्ति की किसी भी संभावित कमी से निपटने के लिए पारंपरिक थर्मल संयंत्रों में आयातित कोयले का 6 फीसदी सम्मिश्रण सुनिश्चित करने की सलाह भी दी गई है।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने किया फोर्ट विलियम का दौरा, शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

राज्यपाल ने मेमोरियल विजिटर बुक पर हस्ताक्षर किए, जहां उन्होंने उल्लेख किया, एक अद्वितीय स्थान जहां वीरता देशभक्ति से मिलती है। भारत की स्वतंत्रता की अदम्य भावना का प्रतीक जिसने इस महान राष्ट्र को पराधीनता से मुक्त किया।

सेना के प्रवक्ता ने बताया कि यात्रा की शुरुआत डलहौजी बैरक में नेताजी सेल के दौरे के साथ हुई, जहां महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को वर्ष 1940 में कैद किया गया था। राज्यपाल ने पूर्वी कमान के संग्रहालय का भी भ्रमण किया...

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि सेना की पूर्वी कमान (फोर्ट विलियम) हमेशा युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। यहां सदा देशभक्ति की लहरें उठती हैं। एक अद्वितीय स्थान जहां वीरता देशभक्ति से मिलती है। भारत की स्वतंत्रता की अदम्य भावना का प्रतीक जिसने इस महान राष्ट्र को पराधीनता से मुक्त किया और यह सुनिश्चित किया कि भारत का झंडा हमेशा ऊंचा रहे। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने फोर्ट विलियम का दौरा करने के बाद यह बात कही। इस दौरान और उनकी पत्नी श्रीमती एलएस लक्ष्मी भी उनके साथ थीं। यहां पहुंचने पर लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता, जीओसी-इन-सी, पूर्वी कमान ने उनका स्वागत किया जबकि मेजर जनरल एच धर्मराजन, जीओसी बंगाल सब एरिया भी उपस्थित थे।

यात्रा की शुरुआत एक पुष्पांजलि समारोह के साथ हुई, जिसमें राज्यपाल ने पूर्वी कमान के बहादुरों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कर्तव्य का पालन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। बाद में राज्यपाल शहीद दीर्घा में भी गए, जहां 1962 के बाद से विभिन्न अभियानों के दौरान पूर्वी कमान में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी बहादुरों के नाम पत्थर पर उकेरे गए हैं। पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद, सीवी आनंद बोस ने आशा स्कूल के विशेष छात्रों के साथ बातचीत की, जिन्होंने विजय स्मारक में एक सुंदर समूह गीत प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने मेमोरियल विजिटर बुक पर हस्ताक्षर किए, जहां उन्होंने उल्लेख किया, एक अद्वितीय स्थान जहां वीरता देशभक्ति से मिलती है। भारत की स्वतंत्रता की अदम्य भावना का प्रतीक जिसने इस महान राष्ट्र को पराधीनता से मुक्त किया और यह सुनिश्चित किया कि भारत का झंडा हमेशा ऊंचा रहे। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि यात्रा की शुरुआत डलहौजी बैरक में नेताजी सेल के दौरे के साथ हुई, जहां महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को वर्ष 1940 में कैद किया गया था। राज्यपाल ने पूर्वी कमान के संग्रहालय का भी भ्रमण किया। इसमें 1971 के मुक्ति संग्राम से पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण के उपकरण सहित कई एतिहासिक कलाकृतियां हैं। राज्यपाल को एतिहासिक कमांड लाइब्रेरी दिखाई गई, जो पहले सेंट पीटर्स एंग्लिकन चर्च हुआ करती थी। हेरिटेज बिल्डिंग 199 साल पुरानी है। राज्यपाल, जिन्होंने स्वयं 50 पुस्तकें लिखी हैं, सुव्यवस्थित पुस्तकालय को देखकर प्रसन्न हुए और उनके द्वारा लिखित पांच हस्ताक्षरित पुस्तकें भेंट कीं। राज्यपाल अंत में न्यू कमांड बिल्डिंग गए, जहां सीवी आनंद बोस को लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता, सेना कमांडर पूर्वी कमान ने स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

राजस्थान का राइट टू हेल्थ बिल क्या है जिसके विरोध में डॉक्टर, जनता को इससे कितना फायदा?

परिवहन विशेष संवाददाता

राइट टू हेल्थ बिल सितंबर 2022 में विधानसभा में पेश किया गया लेकिन अनिवार्य मुफ्त आपातकालीन उपचार के प्रावधान सहित कई अन्य कारणों से यह आगे नहीं बढ़ सका। अब चालू बजट सत्र में मंगलवार को इसे पारित किया गया।

नई दिल्ली। राजस्थान में राइट टू हेल्थ बिल को लेकर सकरार और डॉक्टर आमने-सामने हैं। पिछले कई दिन से डॉक्टर बिल के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल का प्रयोग भी किया। उधर, विरोध प्रदर्शन को नजरअंदाज करते हुए सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में बिल पास करा लिया।

आइये जानते हैं कि आखिर राजस्थान का राइट टू हेल्थ बिल क्या है? इस बिल से लोगों को क्या मिलेगा? इसका विरोध क्यों हो रहा? सरकार का क्या इसे लेकर क्या कहना है?

राजस्थान का राइट टू हेल्थ बिल क्या है?

राइट टू हेल्थ बिल 2018 के राजस्थान विधानसभा चुनावों में सत्ताधारी दल कांग्रेस के चुनावी वादों में से एक था। पहली बार वित्त वर्ष 2022-23 में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिल को लाने की घोषणा की। इसके मुताबिक, सितंबर 2022 में विधेयक को विधानसभा में पेश किया गया लेकिन अनिवार्य मुफ्त आपातकालीन उपचार के प्रावधान सहित कई अन्य कारणों से यह आगे नहीं बढ़ सका। भारी विरोध के चलते बिल विधेयक को प्रवर समिति को भेजा दिया गया। अब चालू बजट सत्र में मंगलवार को इसे पारित किया गया।

इस बिल से लोगों को क्या मिलेगा?

अस्पतालों में उपचार के लिए मरीजों को मना नहीं किया जाए इसीलिए राइट टू हेल्थ विधेयक लाया गया है। इसके अंतर्गत इमरजेंसी में इलाज का खर्चा सम्बन्धित मरीज द्वारा वहन नहीं करने की स्थिति में भरपाई राज्य सरकार करेगी। राइट टू हेल्थ विधेयक के तहत राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण लॉजिस्टिकल शिकायत का भी गठन किया गया है। साथ ही, जिला स्तरीय प्राधिकरण का प्रावधान भी किया गया है।

बड़े अस्पतालों को राज्य सरकार द्वारा रियायती दर पर जमीनें उपलब्ध करवाई गई हैं। इन अस्पतालों को राइट टू हेल्थ विधेयक के अंतर्गत जोड़ने का प्रावधान है। इस बिल में राज्य के निवासियों के लिए कुछ अधिकार देने के प्रावधान हैं, जैसेः-

क) निवासियों को स्वयं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए जानकारी लेने का अधिकार।

ख) निर्धारित सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त परामर्श, दवाओं, उपचार, आपातकालीन परिवहन और आपातकालीन देखभाल का अधिकार।

ग) निवासियों को अधिसूचित सभी सार्वजनिक अस्पतालों में सर्जरी के लिए मुफ्त/किफायती देखभाल का अधिकार।

घ) चिरंजीवी योजना के तहत कवर किए गए निवासियों को बीमा योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों के माध्यम से बीमा योजना के तहत मुफ्त सेवाओं का लाभ उठाने का अधिकार।

ङ) भूमि आवंटन के माध्यम से स्थापित निजी चिकित्सालयों में रियायती दरों पर निशुल्क सेवाएं प्राप्त करने का अधिकार।

च) सभी स्वास्थ्य देखभाल प्रतिष्ठानों द्वारा सार्वजनिक या निजी उचित रेफरल परिवहन का अधिकार।

छ) चिकित्सक के परामर्श के बाद भी रोगी के चले जाने की स्थिति में ट्रीटमेंट समरी लेने का अधिकार।

ज) सेवाओं का लाभ उठाने के बाद हुई किसी भी शिकायत के मामले में सुनवाई का अधिकार।

झ) प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र से भुगतान बाकी होने के बावजूद मृतक के परिवार के सदस्य या अधिकृत व्यक्ति को शव प्राप्त करने का अधिकार।

बिल का विरोध क्यों हो रहा?

बिल की घोषणा से ही इसे विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बीते तीन दिन दिन से राज्य के कई शहरों में डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान जयपुर पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल का प्रयोग भी किया। सीएम गहलोत की घोषणा के बाद सबसे पहले इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) ने अपना विरोध दर्ज कराया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मानें तो इस बिल में निजी अस्पतालों की अनदेखी की गई है। IMA ने इस बिल को राइट टू डेथ करार दिया है।

बिल में निजी अस्पतालों को भी सरकारी स्कीम के मुताबिक सभी बीमारियों का इलाज निशुल्क करना है। विरोध कर रहे संगठनों का कहना है कि सरकार अपने सरकारी अस्पतालों में योजना चलाए, लेकिन निजी अस्पतालों पर जबरन बिल लागू किया गया तो निजी अस्पताल बंद होने के कगार पर पहुंच जाएंगे। बिल में निजी अस्पतालों में इमरजेंसी इलाज फ्री में करना अनिवार्य है।

बिल में इमरजेंसी की कोई परिभाषा नहीं है। इमरजेंसी में फ्री इलाज देने के बाद सरकार निजी अस्पतालों को भुगतान कैसे करेगी? एम्बुलेंस सर्विसेज की लागत की भरपाई किस तरह की जाएगी ? बिल में कहा गया है कि मरीज के पास पैसे नहीं हैं, तो उसे बाध्य नहीं किया जा सकता है, लेकिन इलाज देना होगा। इनकार नहीं किया जा सकता। अगर हर मरीज अपनी बीमारी को इमरजेंसी बताकर फ्री इलाज लेगा तो अस्पताल अपने खर्चे कैसे निकालेंगे? आईएमए के प्रभारी सचिव डॉक्टर कट्टा का कहना है कि इस बिल में गर्भवती महिला को डिलीवरी का अधिकार किसी भी अस्पताल में दिया गया है। लेकिन, निजी अस्पताल उनसे डिलीवरी का खर्च नहीं ले सकता तो ये पैसे कौन देगा। डॉ. अनुराग शर्मा ने कहा कि इस बिल के ड्राफ्ट में एक कमेटी का जिक्र है जो तहसील स्तर पर बनाई जाएगी। इसमें तहसील स्तर के जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल होंगे। कमेटी को अधिकार होगा कि वह कभी भी किसी भी अस्पताल की जांच कर सकेगी और अस्पताल का रिकॉर्ड भी देख सकेगी। इसे लेकर सभी डॉक्टरों में बहुत नाराजगी है। उनका कहना है कि कोई नॉन मेडिकल फील्ड का व्यक्ति उनकी जांच कैसे कर सकता है।

सरकार का क्या कहना है?

जोधपुर में मीडिया बात करते हुए सीएम अशोक गहलोत ने राइट टू हेल्थ बिल को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। उन्होंने कहा- इस बिल से आम जनता और डॉक्टर दोनों को ही फायदा होगा। डॉक्टरों को भी बिल में सरकार का साथ देना चाहिए, इस तरह विरोध नहीं करना चाहिए। बाकी जो भी समस्याएं हैं उन्हें बैठकर सुलझाया जा सकता है। इसके लिए सड़क पर आने की कोई जरूरत नहीं है। ये बिल सही है और सभी के हित का है।

वहीं, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि 'राइट टू हेल्थ' जनता के हित में है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सभी सदस्यों के सुझाव के आधार पर इस विधेयक को प्रवर समिति को भेजा था। विधेयक में सभी सदस्यों एवं चिकित्सकों के सुझाव शामिल किए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023